www.sutrakarsamachar.com

सब्सक्राइब करें

वर्ष : 60, अंक : 173
रांची, बुधवार
26 जून 2024
पेज -08, मूल्य : 3 रुपया
अषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थी
विक्रम संवत, 2081

सच का पैरोकार

सूत्रकार

DL No.30/2022 रांची व कोलकाता से प्रकाशित

स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ने की उम्मीद

न्यूज फ्लैश

हजारीबाग में नहाने के दौरान तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

हजारीबाग, सूत्रकार

जिले के इचाक थाना क्षेत्र के डाढा गांव में नहाने के दौरान रामसागर तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गयी। इस हादसे से गांव में मातम पसरा हुआ है। तीन बच्चे तालाब में नहाने गए थे, लेकिन एक बच्चा बाहर ही रहा। सिर्फ शिवकुमार मेहता के दोनों बेटे तालाब में नहाने उतरे थे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए।

हजारीबाग के लिए मंगलवार अमंगल साबित हुआ। तालाब में नहाने गए दो सगे भाइयों की गहरे पानी में डूब जाने से मौत हो गयी। मृतकों में राजकुमार (9 वर्ष) एवं उसका छोटा भाई एस राज (7 वर्ष) शामिल हैं। ये दोनों सगे भाई थे। दोपहर का भोजन करने के बाद चुपके से दोनों मृतक समेत तीन बच्चे नहाने चले गए। दोनों भाई कपड़ा खोलकर स्नान करने लगे, जबकि साथ गया तीसरा बच्चा तालाब से बाहर ही खड़ा रहा। नहाने के दौरान दोनों बच्चे गहरे पानी में डूब गए, तो तीसरे बच्चे ने दौड़कर तालाब के समीप के घर वालों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद हल्ला सुनकर ग्रामीण दौड़े। इसके बाद इन बच्चों के शवों की तलाश की गयी। हजारीबाग जिले के इचाक की इस घटना से गांव में शोक की लहर है।

हादसे की सूचना मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि दयानंद कुमार अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने एक घंटे बाद छोटे भाई एस राज को तालाब से बाहर निकाला। शिवकुमार मेहता के दो ही बेटे थे एवं एक बेटी है।

साजिद, रमजान और अजमत अंसारी को आजीवन कारावास की सजा

रांची, सूत्रकार

रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के तीन दोषियों मो।साजिद, रमजान अंसारी और अजमत अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने सभी दोषियों पर तीस-तीस हजार का जुर्माना भी लगाया है। सिविल कोर्ट के अपर न्याययुक्त सचिंद्र बिरुआ की कोर्ट ने दोषियों के खिलाफ सजा सुनायी है। तीनों दोषियों ने वर्ष 2019 में मंगरू पाहन की चाकू मारकर हत्या की थी। मंगरू के परिजनों के बयान के आधार पर अरगोड़ा थाना में कांड संख्या 205/2019 दर्ज करायी गयी थी। दोषियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने 12 गवाह पेश किये।

भाकपा माओवादी तिलकमान साहू को आठ साल की सजा

रांची, सूत्रकार

न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने पोटा अधिनियम-2002 के तहत दोषी भाकपा माओवादी तिलकमान साहू को आठ साल की सश्रम कारावास की सजा सुनायी। इसके साथ ही 50 हजार का जुमार्ना लगाया। जुर्माने की राशि नहीं देने पर अतिरिक्त आठ माह सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी। 22 साल पुराने मामले में अदालत ने फैसला सुनाया। रांची सिविल कोर्ट के न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया और दोषी तिलकमान साहू को आठ साल की सजा सुनायी। रांची की अदालत में स्पेशल केस नंबर 25/2002 (पी), पालकोट थाना कांड संख्या 05/2002 चल रहा था। 11 फरवरी 2002 को गुमला जिले के पालकोट थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादी संगठन (एमसीसी) का सक्रिय सदस्य पालकोट बाजार में लेवी मांगने आया है। इसी सूचना का सनहा दर्ज कर पालकोट पुलिस पालकोट बाजार में लगभग 3।30 बजे पहुंची और तिलकमान साहू को पालकोट पुलिस ने पकड़ लिया था। उसकी तलाशी ली गयी, तो उसके पास से लेवी की रकम बरामद की गयी थी।

लोकसभा स्पीकर पर सहमति नहीं, चुनाव आज

देश में पहली बार स्पीकर पद के लिए होगा चुनाव

ओम बिरला के खिलाफ के सुरेश विपक्ष के उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी

सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग और विपक्ष के बीच आम सहमति नहीं बन पाने के बाद पहली बार लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। यह देश के इतिहास में पहली बार होगा कि लोकसभा स्पीकर के लिए चुनाव होगा।

एनडीए ने जहां बीजेपी सांसद ओम बिड़ला को अपना उम्मीदवार चुना है, वहीं विपक्ष ने दिग्गज कांग्रेस नेता के सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला किया है। वोटिंग 26 जून को सुबह 11 बजे होगी।

सरकार ने विपक्षी दल इंडिया गुट के यह कहने के बाद कि वह अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है, लोकसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार पर आम सहमति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को तैनात किया था। आम चुनाव में ओम बिड़ला ने कोटा लोकसभा सीट पर 41,000 से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की थी।

इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि अगर लोकसभा अध्यक्ष के लिए एनडीए के उम्मीदवार पर आम सहमति बनती है तो उपाध्यक्ष का पद विपक्ष के पास जा सकता है। भाजपा ने 2014 में अन्नाद्रमुक के एम थंबी दुरई को उपाध्यक्ष नियुक्त किया था। यह पद 2019 से खाली है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ठऊअ के उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था।

रायबरेली सांसद ने कहा, परंपरा के मुताबिक उपसभापति का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया, और उन्होंने उनसे स्पीकर को समर्थन देने के लिए कहा। पूरे विपक्ष ने कहा कि हम स्पीकर का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा यह है कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह देंगे। राहुल गांधी ने कहा, मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस बुलाओ, लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति पर सरकार और विपक्ष के बीच कड़वे गतिरोध के बाद स्पीकर पद पर सहमति बनी है। सोमवार को विपक्षी नेताओं ने प्रोटेम स्पीकर की मदद के लिए बने पैनल का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया. कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने सरकार पर लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य को अस्थायी पद पर नियुक्त नहीं करने की परंपरा से हटने का आरोप लगाया। 18वीं लोकसभा के पहले दिन की शुरूआत हंगामेदार रही, 1975 में आपातकाल लगाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच जुबानी जंग सत्र में हावी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 262 सांसदों के शपथ लेने के साथ ही विपक्ष ने संसद परिसर के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी सहित इंडिया ब्लॉक के सांसदों को ₹लोकतंत्र बचाओ₹ के नारे लगाते और संविधान की प्रतियां प्रदर्शित करते देखा गया।

आज से झारखंड में तीन दिन तक भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

रांची, सूत्रकार

झारखंड में अगले 3 दिन भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र की ओर से इस संबंध में येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है।

26 जून को उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों में वर्षा का अलर्ट

मंगलवार (25 जून) को मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि 26 जून, 28 जून और 29 जून तक झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में बारिश होगी। मौसम विभाग के मौसम पूवार्नुमान पदाधिकारी ने मौसम के बारे में बताया कि बुधवार यानी 26 जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है।

संताल परगना के 6 जिलों समेत 10 जिलों में होगी भारी बारिश

झारखंड के उत्तर-पूर्वी हिस्से में संताल परगना के 6 जिले (देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज) के साथ-साथ गिरिडीह और धनबाद जिले आते हैं। वहीं, दक्षिण-पूर्वी हिस्से में पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले आते हैं। इन सभी 10 जिलों में 26 जून को कहीं-कहीं भारी वर्षा की चेतावनी दी है।

28 जून को पलामू, गढ़वा समेत 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने कहा है कि 28 जून को झारखंड के उत्तर-पश्चिमी और मध्य भागों में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दिन पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा और गुमला जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी, ऐसा मौसम विभाग के पूवार्नुमान पदाधिकारी ने कहा है।

29 जून को भी झारखंड के कई जिलों में होगी भारी वर्षा

भारी बारिश का यह दौर 29 जून को भी जारी रहेगा। इस दिन झारखंड के कम से कम 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कहा गया है कि झारखंड के उत्तर-पूर्वी तथा उससे सटे मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी रांची के साथ-साथ कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और धनबाद जिले में कुछ जगहों पर भारी वर्षा होगी।

फसलों को नुकसान से बचाने की मौसम विभाग ने दी सलाह

मौसम विभाग ने कहा है कि इस दौरान कृषि और बागवानी फसलों को नुकसान हो सकता है। निचले इलाकों में जलजमाव होने की संभावना है। इसलिए जलनिकासी की व्यवस्था पहले से कर लें। पके हुए फल एवं सब्जियों की तुराई करके उन्हें सुरक्षित जगहों पर रख लें। उन इलाकों में जाने से बचें, जहां बारिश की वजह से जलजमाव हो जाता है।

आसमान में छाए रहेंगे बादल, 29 जून तक वर्षा की संभावना

उधर, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा ने कहा है कि 5 दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की जाएगी। 26 एवं 27 जून को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और 28 एवं 29 जून को 32 डिग्री सेंटीग्रेड रहने का अनुमान है। वहीं, न्यूनतम तापमान 24 डिग्री से घटकर 28 जून को 23 डिग्री सेंटीग्रेड हो जाने की उम्मीद है।

रिश्वत लेते रातू थाना के दारोगा गिरफ्तार केस हल्का करने के लिए मांग रहे थे घूस

रांची, सूत्रकार

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रांची के रातू थाने में पदस्थापित एक सब इंस्पेक्टर को 35 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सब इंस्पेक्टर एक 307 के केस को हल्का करने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था।

रांची के रातू थाना में पोस्टेड सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। रातू थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला बबीता देवी ने एंटी करप्शन ब्यूरो में सत्येंद्र सिंह को लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के दौरान मामला सत्य पाया गया। जिसके बाद मंगलवार की दोपहर सत्येंद्र सिंह को महिला से 35000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा जारी किए गए जानकारी के अनुसार महिला बबीता देवी के पति एक मामले में आरोपी हैं। केस का आईओ सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह ही था। महिला ने सत्येंद्र सिंह से यह फरियाद लगाई थी कि उसके पति के केस की जांच में जो सही है उसे शामिल किया जाय, ताकि उसे इंसाफ मिल सके। दारोगा सत्येंद्र सिंह के द्वारा बबीता देवी से केस डायरी मैनेज करने के लिए रिश्वत की मांग की जाने लगी। कई बार गुहार लगाने के बावजूद सत्येंद्र सिंह ने बिना रिश्वत लिए किसी भी तरह का मदद करने से साफ इनकार कर दिया।

थक हार कर बबीता देवी ने एंटी करप्शन ब्यूरो में सत्येंद्र सिंह को लेकर शिकायत दर्ज करवाई। एक सप्ताह की जांच के दौरान एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को सत्येंद्र सिंह के द्वारा रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हो गई। जिसके बाद पूरी तैयारी के साथ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रातू थाने से ही सब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

सेना में अलग से गठित हो आदिवासी रेजीमेंट : सीएम

रांची, सूत्रकार

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मंगलवार को भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ, ईस्टर्न कमांडर और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जाट रेजीमेंट, बिहार रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट, सिख रेजीमेंट और मद्रास रेजीमेंट आदि की तर्ज पर आदिवासी रेजीमेंट बनाने से संबंधित अपनी भावना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आदिवासी रेजीमेंट के गठन से देशभर के आदिवासियों को सेना में अलग पहचान भी मिलेगी।

लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने झारखंड में भी पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन का प्रस्ताव रखा। इसपर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि इस मामले में सेना द्वारा प्रस्ताव मिलने पर सरकार पूरा सहयोग करेगी। ज्ञातव्य है कि सेना के इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी में भूतपूर्व सैनिक होते हैं, जो पर्यावरण के लिए कार्य करते हैं। झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सेना भी बड़े स्तर पर अपना योगदान कर सकेगी। खासकर इस राज्य के भौगोलिक परिवेश को देखते हुए जंगलों और खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण और अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

फौज बहाली में आदिवासियों को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में झारखंड के आदिवासी युवा अपनी सेवा देते आ रहे हैं। फौज बहाली में यहां के आदिवासियों को और ज्यादा से ज्यादा अवसर प्राप्त हो, इसमें सेना आदिवासियों को आगे लाने की दिशा में पहल करें। लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि इस दिशा में सेना की स्थानीय जीओसी के माध्यम से आदिवासियों को सेना बहाली के योग्य तैयार करने के लिए प्रशिक्षण समेत अन्य सभी सहयोग किया जाएगा।

डूरंड कप के आयोजन में सहयोग करने के लिए जताया आभार : लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने बताया कि डुरंड कप (प्रेसिडेंट कप) एशिया की सबसे पुरानी और विश्व की दूसरी सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है। इस बार जमशेदपुर की मेजबानी में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है, जिसमें राज्य सरकार हर स्तर पर सहयोग कर रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल राजेंद्र पुरी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, कर्नल वीएस आडकर और मेजर जनरल एमपी सिंह मौजूद थे।

जमीन कारोबारी कमलेश को ईडी ने भेजा समन

28 जून को उपस्थित होने को कहा

रांची, सूत्रकार

जमीन कारोबारी कमलेश कुमार को ईडी ने दोबारा समन भेजा है। ईडी ने समन भेजकर 28 जून को उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले बीते 21 जून को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान उसके ठिकानों से एक करोड़ कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे। जिसके बाद ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा ने पूरे मामले में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा और कार्रवाई की मांग की थी। रांची के कांके में थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था।

शेखर कुशवाहा के बयान पर हुई कार्रवाई : फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की जानकारी दी थी। मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल आफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन ईडी के समन पर उपस्थिति ना होकर कमलेश फरार हो गया था। जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर 12 बजे ईडी की टीम कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्ट्रो ग्रीन स्थित फ्लैट पहुंची।

लेकिन ईडी के पहुंचने से ठीक पहले कमलेश वहां से निकल गया था। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ईडी ने इस फ्लैट को सर्च किया। इस दौरान ईडी को वहां से 100 जिंदा कारतूस और एक करोड़ कैश मिला। इस मौके से एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज समेत कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये हैं। कांके रोड में छापेमारी के बाद ईडी ने देर शाम कमलेश के चेशायर होम रोड स्थित आवास में भी छापेमारी की थी।

अचानक दिल्ली से रांची पहुंचे कांग्रेस प्रभारी, जेल में की हेमंत से मुलाकात

रांची, सूत्रकार

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही झारखंड में सभी पार्टियां विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई हैं। भाजपा ने तो केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनाव प्रभारी और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को सह चुनाव प्रभारी बनाकर रणनीति की कमान तक सौंप दी है।

इधर, इंडिया गठबंधन भी सक्रिय हो गया है। आज कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर अचानक पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मिलने दिल्ली से रांची एयरपोर्ट पहुंचे और सीधे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा चले गये। इस मुलाकात को बिल्कुल सिक्रेट रखा गया था। क्योंकि मुकालात के बाद गुलाम अहमद मीर अगली फ्लाइट से सीधे वापस दिल्ली लौट गये। इससे साफ है कि वह विशेष रूप से सिर्फ हेमंत सोरेन से मिलने आए थे।इस मुलाकात को बेहद खास बताया जा रहा है। इसकी वजह भी है। दरअसल, झारखंड कांग्रेस के अध्यक्ष समेत तमाम बड़े पदाधिकारी दिल्ली में हैं।

जय भीम, जय फिलिस्तीन..., लोकसभा में शपथ के दौरान ओवैसी ने लगाया नारा

नई दिल्ली, एजेंसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को सांसद पद की शपथ ली। हालाँकि, उन्होंने फिलिस्तीन समर्थक नारे लगाने पर एक विवाद का हवाला दिया। हालांकि, बीजेपी की शोभा करंदलाजे की आपत्ति के बाद पीठासीन अधिकारी राधामोहन सिंह ने इसे रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया। मंगलवार को लोकसभा में सांसद पद की शपथ के दौरान औवेसी ने फिलिस्तीन के समर्थन में जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। हैदराबाद से सांसद औवेसी द्वारा जय फिलिस्तीन का नारा लगाने के बाद संसद और बाहर हंगामा मच गया है।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक जब असदुद्दीन ओवैसी ने अपने शपथ में जय फिलिस्तीन कहा तो केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद लोकसभा में पीठासीन अधिकारी राधा मोहन सिंह ने असदुद्दीन ओवैसी के इस बयान को रिकॉर्ड से हटाने को कहा। हालांकि, औवेसी के इस बयान का वीडियो अब वायरल हो गया है। विवाद के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हर कोई बहुत कुछ कह रहा है...मैंने सिर्फ कहा था 'जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन'...यह कैसे खिलाफ है, संविधान में प्रावधान दिखाएं।

बीजेपी नेता जी किशन रेड्डी ने ओवैसी के इस नारे का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस देश की संसद में शपथ लेने के दौरान जय फिलिस्तीन का जो नारा लगाया गया, वो पूरी तरह से गलत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओवैसी एक तरफ संविधान की बात करते हैं, दूसरी तरफ संविधान के खिलाफ नारेबाजी करना। उन्होंने कहा कि भारत में रहकर फिलिस्तीन का गाना गाना, पूरी तरह से गलत है।

दिल्ली हाईकोर्ट से केजरीवाल को नहीं मिली राहत, जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं मिली है। शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाईकोर्ट ने दिल्ली सीएम को जमानत देने से मना कर दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद केजरीवाल को फिलहाल जेल में ही रहना होगा।

न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि निचली अदालत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसके समक्ष पेश की गई सामग्री का उचित आकलन करने में विफल रही और उसने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि निचली अदालत को ईडी को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए था। पीठ ने कहा, ह्यह्यविवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है।

20 जून को निचली अदालत ने दी थी जमानत

निचली अदालत ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। ईडी ने अगले दिन उच्च न्यायालय का रुख किया और दलील दी कि निचली अदालत का आदेश ह्यह्यत्रुटिपूर्ण, एकतरफा और गलत" था तथा निष्कर्ष अप्रासंगिक तथ्यों पर आधारित थे।

क्या है शराब घोटाला मामला

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा शराब नीति के निर्माण और क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच के आदेश के बाद 2022 में इसे रद्द कर दिया गया था।सीबीआई और ईडी के अनुसार, आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

ईडी ने लगाए आरोप

ईडी ने आरोप लगाया कि अपराध की आय का लगभग 45 करोड़ रुपए का हिस्सा गोवा में 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान अअढ द्वारा उपयोग किया गया था। एजेंसी ने कहा कि इस तरह से अअढ ने केजरीवाल के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध किया। पार्टी ने आरोपों का जोरदार खंडन किया है और आरोप लगाया है कि यह एक राजनीतिक साजिश थी।

न्यूज फ्लैश

पर्यावरण मित्र ने महुलिया उच्च विद्यालय में लगाए 50 फलदार पौधे

घाटशिला, सूत्रकार

पर्यावरण मित्र घाटशिला ने अहले सुबह महुलिया प्लस टू उच्च विद्यालय में सामूहिक पौधारोपण कार्य संपन्न किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक और प्रबंधन समिति के आग्रह पर प्रो0 इंदल पासवान और डा0 संदीप चंद्रा के नेतृव में पर्यावरण मित्र घाटशिला ने अपने स्तर से आम, कटहल, आंवला, काजू, जामुन और कदम के 50 फलदार पौधे स्कूल परिसर में लगाए। एक साल पहले भी स्कूल परिसर में करीब 70 पौधे लगाए थे पर्यावरण मित्र ने जिसमे करीब 50 पौधे अब बड़े हो गए हैं। प्रो0 इंदल पासवान ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को पर्यावरण की मित्र की भूमिका निभानी होगी और प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के लिए अपने सामर्थ के अनुसार सभी को भूमिका निभानी होगी। हम सबका अस्तित्व ही इसी प्रकृति के कारण है अतः जब मौका मिले इस प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते रहिए।

आज के पौधारोपण अभियान में मिहिर भकत, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रियव्रत दत्ता, प्रधानाध्यापक संजीव पाल, शिक्षिका ख्याली मंडल, सूर सिंह तामसी, इको क्लब इंचार्ज नूतन कुमारी, करुणा कुमारी, मुन्नी मानकी, नीतू कुमारी सहित काफी संख्या में छात्र छात्राओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय सुब्रतो कप फुटबाल प्रतियोगिता शुरू

कतरास, सूत्रकार

बाघमारा प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ बीटीएम उच्च विद्यालय मालकेरा के मैदान में मंगलवार को हुआ। प्रतियोगिता में अंडर 15 बालक वर्ग में छह जबकि अंडर 17 बालक वर्ग में 8 स्कूल की टीमें भाग ले रही हैं। पहले दिन के खेल में अंडर 15 बालक वर्ग में एमटी मध्य विद्यालय रामपुर एवं बीटीएम उच्च विद्यालय मालकेरा ने फाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया है। दूसरे दिन बुधवार को अंडर 17 बालिका वर्ग के टीमों के बीच मुकाबला होना है। साथ ही फाइनल मैच भी खेला जाएगा। प्रतियोगिता का उदघाटन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अख्तर हुसैन एवं बाघमारा प्रखंड के चिकित्सक डॉ शेखर ने संयुक्त रूप से किया। बीटीएम उच्च विद्यालय मालकेरा के प्रभारी प्रधानाध्यापक सह प्रखंड खेल संयोजक जय होरो, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पंकज चौरसिया, खेल शिक्षक पवन कु रॉय, सुमन कुमारी, राजेश प्रसाद पाल, सतीश कुमार, इंद्रजीत सरकार, प्रखंड लेखापाल आनंद प्रजापति, बीआरपी मो नसीम , उत्तम कुमार मंडल, निखिल चंद्र मंडल उपस्थित थे।

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग ने डिगवाडीह में लगाया कैंप

जोड़ापोखर, सूत्रकार

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग झारखंड सरकार के दिशा निर्देश पर वार्ड संख्या 40 के डिगवाडीह घटवार बस्ती पंचायत भवन में कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय महिला व पुरषों को रोजगार से जोड़ने को लेकर भवन निर्माण कार्ड, असंगठित मजदूर कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया।कुल 62 लाभुकों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। कैम्प का संचालन धनबाद श्रम विभाग प्रमोद कुमार प्रसाद, मुकेश साव कर रहे थे वही सहयोग में पूर्व पार्षद आफताब अंसारी, दिनेश यादव, राजू कुंडू, गणेश यादव, अरुण चंद्रवंशी शामिल थे।

जीटीए आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने 25 मजदूरों को काम से हटाया, आंदोलन शुरू

कतरास, सूत्रकार

कैलूडीह स्थित जीटीए आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा मंगलवार को एचपीसी भुगतान की मांग करने वाले 25 मजदूरों को बैठाये जाने के नोटिस के बाद मजदूरों ने अनिश्चितकालीन चक्का जाम कर दिया है। जीटीए आउटसोर्सिंग शुरू से ही विवादों में रहा है। इधर मजदूरों को अचानक नोटिस देकर बैठाए जाने की सूचना के बाद मजदूर नेता शहजाद अंसारी 25 मजदूरों के समर्थन में अनिश्चितकालीन चक्का जाम कर धरना पर बैठ गए हैं। शहजाद अंसारी ने उपायुक्त एवं एसएसपी सहित 11 प्रशासनिक पदाधिकारी को अनिश्चितकालीन बंदी की सूचना दे दी है। शहजाद ने पत्र में कहा है कि है कि अवैध कमेटी के बहकावे में आकर आउटसोर्सिंग कंपनी ने 25 मजदूरों को 1 जुलाई 2024 से निकालने का नोटिस चिपका दिया है। मजदूर एचपीसी भुगतान, आइडेंटी कार्ड आदि की मांग लम्बे अरसे से कर रहे हैं। प्रबंधन हर बार आंदोलन को दबाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा हैं। शहजाद ने बताया कि 2 दिन पूर्व ही आंदोलन के बाद प्रबंधन ने वार्ता के लिए समय लिया था।

सीएम सेआउटसोर्सिंग की मनमानी की करेंगे शिकायत : अजमूल अंसारी

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अजमूल अंसारी ने बताया कि प्रबंधन लगातार मजदूरों का शोषण कर रही है। लंबे अर्से से एचपीसी भुगतान की मांग की जा रही है। कल मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का धनबाद आगमन है। उन्हें पूरे मामले से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौपा जाएगा।

पंचेत डैम पर लगे रियल टाइम डेटा अधिग्रहण प्रणाली को लेकर चलाया जन जागरूकता अभियान

चिरकुंडा, सूत्रकार

डीवीसी ने राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत 83 टेलीमेट्री साईट्स पर रियल टाइम डेटा अधिग्रहण प्रणाली (आरटीडीएक्स) लगाया है। इस प्रणाली को लेकर डीवीसी ने पंचेत डैम में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में वरीय प्रबंधक (सिविल) सूरज कुमार ने आरटीडीएक्स मशीन और एडब्ल्यूएलआर, एएनएस एवं एआरजी के कार्य सिद्धांत के संबंध में विस्तार से लोगों को बताया। उन्होंने बताया कि ये मशीनें मौसम के बारे में तापमान, वर्षा, जलस्तर, वाष्पीकरण, आर्द्रता, सौर विकिरण, वायु गति, दिशा आदि को सही समय पर सही जानकारी देते हैं। कहा कि ये मशीनें या प्रणालियां राष्ट्रीय सम्पति है और इन्हें सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। इनसे छेड़छाड़ नहीं करना चाहिए। मौके पर डीवीसी पचेत परियोजना प्रमुख आर आर शर्मा, डीजीएम मानिक पाण्डेय, वरीय प्रबंधक नागसुधा कुमारी, आलोक बनर्जी, निलेश एक्का, केदारनाथ दत्ता सहित दर्जनों डीवीसी कर्मी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

वार्ता के बाद मृतक कर्मी के बेटे को को मिला प्रोविजनल नियोजन

कतरास, सूत्रकार

डब्लू टी पी सिनिडीह में कार्यरत पंप ऑपरेटर प्रभु बेलदार के पुत्र कृष्णा कुमार बेलदार को वार्ता के बाद कंपनी के नियमानुसार प्रोविजनल नियोजन दिया गया।सिनीडीह डब्लू टी पी में कार्यरत पंप ऑपरेटर प्रभु बेलदार की तबियत 22 जुन को कार्य के दौरान अचानक तबियत खराब हो गई थी। इलाज के दौरान 24 जून को मौत हो गयी। मंगलवार 25 जून को यूनियन प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक के कार्यालय में वार्ता हुई। वार्ता में यूनियन प्रतिनिधियों द्वारा नियमानुसार मृतक के आश्रित पुत्र कृष्णा कुमार बेलदार को प्रोविजनल नियोजन और कंपनी के द्वारा मृतक के परिवार को आर्थिक मदद की मांग रखी। वार्ता के बाद कंपनी ने मांगों मान लिया।

अरबों रुपये के जीएसटी घोटाला में स्क्रैप कारोबारी बबलू जायसवाल गिरफ्तार

जमशेदपुर, सूत्रकार

शहर के जाने माने स्क्रैप कारोबारी बबलू जायसवाल उर्फ ज्ञानचंद जायसवाल को जीएसपी घोटाला आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जीएसटी विभाग बीते छह माह से बबलू की गतिविधि पर नजर बनाए हुए थी। बबलू को सोमवार की देर शाम पहले जीएसटी के साकची स्थित इंटेलिजेंस विभाग के कार्यालय में बुलाया गया। उससे कई बार बातचीत की गयी, उसके बाद उसको हिरासत में ले लिया गया। मंगलवार को उसे जेल भेज दिया गया। इसके पूर्व इस मामले में जीएसटी विभाग ने विक्की भालोटिया, अमित गुप्ता, सुमित गुप्ता और शिवदौड़ा को गिरफ्तार कर जेल भेजा था जिनसे पूछताछ में बबलू का नाम सामने आया था(। इस मामले में मुख्य अभियुक्त रांची निवासी विवेक नरसरिया अब तक फरार है।

5000 करोड़ से ज्यादा का घोटाला आया सामने

मामले का खुलासा तब हुआ था जब जमशेदपुर की जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने जांच की। जांच में पाया कि जमशेदपुर में कई ऐसी कंपनियां है जिनमें फर्जी तरीके से लेनदेन किया जा रहा है। जांच के क्रम में पाया गया कि 100 से ज्यादा कंपनियां ऐसी हैं जिनमें फर्जी तरीके से लेनदेन हो रहा है। अब तक इन

कंपनियों में तीन हजार से ज्यादा के लेनदेन सामने आए हैं। जमशेदपुर में ही 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी घोटाला सामने आया है। इसके बाद एक टीम का गठन किया गया जिसमें सिनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर रौशन कुमार मिश्रा, इंटेलिजेंस ऑफिसर दिनेश कुमार, राजीव रंजन और राजेश कुमार शामिल थे।

सूत्रों की माने तो अब तक गिरफ्तार विक्की भालोटिया, शिवदौड़ा, अमित गुप्ता और सुमित गुप्ता ने 5000 करोड़ से ज्यादा का जीएसटी घोटाला किया है। वहीं बबलू ने 300 करोड़ से ज्यादा का जीएसटी घोटाला किया है। बबलू इनपुट टैक्स क्रेडिट के जरिए जीएसटी घोटाले को अंजाम देता था। बबलू जायसवाल लघु उद्योग भारती के सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष भी है।

निर्माणाधीन कम्युनिटी हॉल में लाखों के निर्माण सामग्री की चोरी

कतरास, सूत्रकार

बरोरा थाना क्षेत्र के हरिणा पंचायत अंतर्गत नावाडीह बस्ती शिव मंदिर के समीप बीसीसीएल द्वारा निमार्णाधीन कम्युनिटी हॉल से सोमवार की रात्रि चोरों ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त लाखों के सामान की चोरी कर ली। इस संदर्भ में संवेदक राहुल सिंह ने बरोरा थाना को में लिखित सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर बरोरा थाने की पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया तथा संबंधित लोगो से चोरी की बाबत पूछताछ की। थाना में संवेदक द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार सोमवार की शाम कार्य समाप्त होने के बाद सारा सामान छोड़ कर सभी लोग कम्युनिटी हॉल में ताला बंद कर चले गए। दूसरे दिन सुबह में जब मिस्त्री काम करने पहुँचे तो निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाला लगभग 40 पेटी टाइल्स, 30 बोरा सीमेंट, 18 बोरा वॉल पुट्टी, टुल्लू पम्प, कड़ाही, डफली, कुदाल, ड्राम एवं अन्य निर्माण सामग्री गायब थे।

घाटशिला कॉलेज के छात्रों ने पदयात्रा कर नशा मुक्ति को लेकर 5000 पंपलेट बांटे

घाटशिला, सूत्रकार

घाटशिला महाविद्यालय में चलाए जा रहे आठ दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के सातवें दिन पदयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस के वॉलिंटियर्स ने कॉलेज के छात्रों के बीच तथा ग्रामीण क्षेत्र में पदयात्रा कर मादक पदार्थों जैसे हेरोइन, ब्राउन शुगर, गांजा, चरस, नींद की गोलियां, शराब के सेवन से उत्पन्न समस्याओं से संबंधित 5000 पंपलेट बांटे। छात्रों ने सर्वप्रथम पावड़ा पंचायत में पदयात्रा कर पंपलेट बांटे। जहां देश परगना बैजू मुर्मू ने सभी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया।

इसके अलावा एनसीसी कैडेट अर्पिता हांसदा मुसाबनी के रूआम कुलगोड़ा, सीता हांसदा चाकुलिया के जामबनी, शकुंतला हेंब्रम चाकुलिया के सुनसुनिया, रूपाली मुर्मू चेंगजोडा, डोली नमाता बड़ाजोड़ी, सिंगो सोरेन लोहा मालिया, रुकमणी मुर्मू चेंगजोड़ा, एमी हांसदा देवली ग्राम, नमिता महतो ककड़ीसोल, सीता मार्डी मुसाबनी के नेत्रा,डांगी हेंब्रम केसरपुर, फूलमनी हांसदा चाकुलिया के केंदबुनी, तुरी सामद मुसाबनी के कुलमाटा, जादूनाथ बेसरा डुमरिया के रंगामटिया , खेला टुडू ने डुमरिया के चाकरी, मनीषा गोप पोटका के बांगो, राजाराम मुर्मू डुमरिया तथा बृज बिहारी सिंह ने घाटशिला के लालडीह के प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर पंपलेट चिपकाए तथा ग्रामीणों को नशा का सेवन नहीं करने के लिए जागरूक किया।

प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने बताया कि आठ दिवसीय चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान का बुधवार को समापन होगा। यह समापन विश्व नशा मुक्ति दिवस पर समारोह पूर्वक आयोजित किया जाएगा। इसमें नशा मुक्ति अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 50 छात्र-छात्राएं को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि समापन समारोह में घाटशिला का अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार कुजूर, एसडीजेएम दिनेश बाउरी, घाटशिला अनुमंडल चिकित्सा प्रभारी डॉ आर एन सोरेन, घाटशिला की बीडीओ यूनिका शर्मा के अलावे कोल्हान विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा एचसीएल के पदाधिकारी मुख्य रूप से भाग लेंगे।

शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण का युवती ने लगाया आरोप

कतरास, सूत्रकार

खरखरी कॉलोनी निवासी बिसीसीएलकर्मी के पुत्र विक्रांत रजवार पर वहीं की एक युवती ने यौन शौषण का आरोप लगाते हुए मधुबन पुलिस से लिखित शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। युवती ने शिकायत में कहा है उक्त युवक ने पहले उसे प्रेम जाल में फंसाकर जोर जबरदस्ती कर शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद युवक लगातार यौन संबंध बनाता रहा। जब युवती गर्भवती हुई तो बहला फुसलाकर दवा खिलाकर गर्भपात करवा दिया। शादी की बात पर युवक टाल मटोल करता रहा। इस बीच युवती दूसरी बार गर्भवती हो गयी। इसके बाद बीते 25 अप्रैल को युवक लिलोरी मंदिर कतरास ले जाकर युवती के साथ शादी की और अपने साथ रखने लगा। युवती ने पुलिस को बताया कि वह छह माह की गर्भवती है। वर्तमान में विक्रांत रजवार युवती को अपने साथ रखने से इंकार कर रहा है। युवती को जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। अब युवक दूसरी युवती से शादी रचाने का मन बना रहा है। इस बाबत मधुबन थाना प्रभारी ने बताया की शिकायत मिली है। मामले की जांच कर आगे की कारवाई की जाएगी।

अंचल कार्यालय से नोटिस लेकर पहुंचे कर्मियों को रैयतों ने वापस लौटाया

लार एक्ट के तहत बीसीसीएल को जमीन देने की बात कही

कतरास, सूत्रकार

झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जरेडा) की नीति के तहत जमीन लेने से संबंधित नोटिस देने मंगलवार को तेतुलमुड़ी आए पुटकी अंचल कार्यालय के कर्मी को बिना नोटिस लिए रैयतों ने बैरंग लौटा दिया। रैयतों ने कहा कि वे लोग जरेडा को जमीन नहीं देंगे बल्कि लार एक्ट के तहत बीसीसीएल को जमीन देने को तैयार हैं। इस बाबत तेतुलमुड़ी ग्रामीण विस्थपित मोर्चा ने अंचल कार्यालय के कर्मी को पुटकी सीओ के नाम पत्र सौंपा, जिसमें कहा गया है कि ग्रामीणों ने बैठक कर जरेडा का नोटिस नहीं लेने का निर्णय लिया है। पत्र में कहा है कि बीसीसीएल द्वारा लार एक्ट के तहत जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। बता दें कि बीसीसीएल के द्वारा आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से तेतुलमुड़ी मौजा में कोयला खनन किया जा रहा है। परियोजना विस्तारीकरण को लेकर संपूर्ण तेतुलमुड़ी मौजा का भूमि अधिग्रहण किया जाना है। एक लंबे अर्से से भूमि अधिग्रहण का मामला अधर में लटका हुआ है। मोर्चा के सुरेश महतो ने बताया कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित संचिका कोयला मंत्रालय से निष्पादित होकर बीसीसीएल मुख्यालय आ चुका है।

डिवाइडर पर चढ़ी तेज रफ्तार स्कार्पियो, बाल बाल बचे दर्जनों लोग

महुदा, सूत्रकार

महुदा थाना क्षेत्र के एनएच- 32 धनबाद-बोकारो मुख्यमार्ग स्थित मारवाड़ी पट्टी के समीप मंगलवार को बड़ी घटना होने से बची। एक अनियंत्रित स्कोर्पियो सड़क के बीच बने डिवाइडर चढ़ गया और डिवाइडर पर लगे ग्रिल लोहे के ग्रिल से टकरा गया। इस संबंध में बताया जाता है कि धनबाद से बोकारो की और जा रही तेज रफ्तार स्कार्पियो संख्या जेएच 10 सीवी/8453 मारवाड़ी पट्टी सेवाग्राम के समीप अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ ग्रिल में जा घुसा। स्थानीय लोगों की मदद से स्कोर्पियो में सवार चालक सहित अन्य लोगों को निकाला गया, चालक ने बताया की वे लोग केंदुआ से बोकारो की ओर जा रहे थे। इधर घटना की सूचना पाकर महुदा पुलिस घटना स्थल पर पहुँची और स्कार्पियो को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नही हुई है।

बांसजोड़ा कोलियरी कोल डंप में कोयला स्टॉक की हुई जांच

लोयाबाद, सूत्रकार

बांसजोड़ा कोलियरी के कोल डंप में बुधवार को कोयले स्टॉक की जांच की गई। जांच में एससीसीएल के अधिकारी शामिल थे।करीब दो घंटे तक स्टॉक का मिलान होता रहा। अधिकारी जांच रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपेंगे। एससीसीएल के अधिकारी मनोज कुमार गर्ग सर्वे ऑफिसर मोका डेविड, ने कहा कि रूटीन जांच चल रही है। परियोजना पदाधिकारी जीएल धुर्वे ने कहा कि रुटीन जांच चल रही है। ये अक्सर होता रहता है। एरिया सर्वे ऑफिसर आशुतोष कुमार, सिंगरैनी कोलयरीज कंपनीज लिमिटेड के मैनेजर माइंनिग मनोज कुमार गर्ग सर्वे ऑफिसर मोका डेविड, सर्वेयर जे सक्राम मौजूद थे।

दिन के उजाले में भी सुरक्षित नहीं बासदेवपुर कोलियरी, चोरों ने काटा हॉलपेक का केबल

लोयाबाद, सूत्रकार

रात के अंधेरो को छोड़िए अब दिन के उजालो में भी बासदेवपुर कोलियरी सुरक्षित नही रही। मंगलवार को बासदेवपुर कोलियरी कोलडंप मे दिनदहाड़े हॉलपेक संख्या 51 से तीन मीटर कॉपर केबल चोरो ने काट लिया। इसकी कीमत महज दो हजार बताई जा रही है। मात्र दो हजार के लिए चोरों ने बीसीसीएल अधिकारियों को परेशान कर दिया। घटना दिन के 2.30 बजे के करीब की है। उस वक्त पानी पड़ रहा था। उस समय हॉलपेक मांइस से चलकर 1.30 बजे डम्प मे खड़ा किया गया था। घटना की जानकारी तब हुई जब उसे सेंकड शिफ्ट वाले कर्मी दोबारा चालू करने गया। देखा केबल कटा है। जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने घटना की खबर अपने वरीय अधिकारी को दी। हैरत की बात है कि घटना के समय गार्ड जितेन्द्र रवानी, शंकर दास, पप्पू पासवान डम्प मे ड्यूटी बजा रहे थे।जैसे ही बारिश शुरू हुआ चोर को मौका मिल गया। वही दबी जुबान मे लोग चर्चा कर रहे है कि इतनी चोरीयो के बावजूद प्रबंधन मुकदर्शक क्यो है।ज्ञात हो कि रविवार की रात मे भी ऑटो सेक्शन रूम की ताला तोड़कर किमती पार्ट्स पुरजे सहित शॉवेल मशीन से डीजल की चोरी की घटना हुई थी।

'कोई डिस्टर्ब कर रहा है। इतना छोटा तार से क्या फायदा होगा। काम हैम्पर हो गया। तुरंत चालू किया जा रहा है।'

मौजेलाल राम
प्रबंधक,बासदेवपुर कोलियरी।

लोयाबाद में नगर निगम की जलापूर्ति चार दिनों से ठप, 50 हजार की आबादी प्रभावित

लोयाबाद, सूत्रकार

लोयाबाद में निगम की पेयजलापूर्ति चार दिनों से फिर ठप हो गई है। अभी और दो दिनों तक इंतजार करना पड़ेगा। जलापूर्ति ठप होने से लोयाबाद सहित अन्य क्षेत्रों के करीब 50 हजार आबादी हलकान है।लोग पानी खरीदकर काम चला रहे है। जलापूर्ति ठप होने की वजह छह हजार डाइ पाइप में तीन जगहों पर लीकेज बताया गया है। चार दिनों से मरम्मती में करने में निगम कर्मी हांफ रहे है। रविवार को काम नही हुआ, सोमवार व मंगलवार गढ्ढे खोदने में बिता दिया गया। बुधवार को पाइप खोलने का काम किया जा रहा है।शाम तक मेकेनिकल जॉइंट बदल दिया जायेगा। विभाग की माने तो एक दो दिन और समय लगेगा। बताया जाता है कि लोयाबाद कोलियरी कार्यालय के पास जलमीनार के छह हजार डाइ पाइप में तीन जगहों एवं सप्लाई पाइप में चार जगहों से लीकेज है। इन सभी लिकेजो से करीब आठ इंच पानी रोजाना बर्बाद हो जा रहा था, साथ ही पाइप में पानी की प्रेशर कम हो गया था। जिस कारण बहुत से घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा था। पूर्व पार्षद महावीर पासी के लिखित शिकायत के बाद विभाग द्वारा मरम्मती कार्य शुरू हुआ है। टेक्निकल एक्सपर्ट की माने तो जलमीनार के पास मेन पाइप में पांच छोटा पाइप का जोड़ दिया हुआ है।यह फॉल्ट निगम कर्मी का नही बल्कि एलएनटी विभाग का था। उसे बदलकर तीन जोड़ में करने सहित पाइप लाइन को सीधा करने का भी प्लान है। वहीं सियालगुदरी सम्प के पास आंधी व पानी बिजली का तार टूट गयी है,अब मरम्मती के बाद ही जलमीनार में पानी भरने का काम शुरू हो पायेगा।

क्षेत्र के सभी चापानलों का हाल बदतर

वार्ड सात व आठ में करीब पांच दर्जन चापानल है। लगभग से पानी नही आती है। पूर्व पार्षद महावीर पासी ने कहा कि अधिकांश चापानलों में पानी लेयर छोड़ दिया है। चापानल से पानी मिलता तो लोगो को राहत मिलता।ज्ञात हो कि लोयाबाद का अधिकतर इलाका भूमिगत खदानें चली हुई है।इस इलाके में बोरहोल सक्सेस नही माना जाता है।

'मेकेनिकल जॉइंट बदला जा रहा है।काम लगा हुआ है।अभी एक दो दिन का और समय लगेगा। '

समीर सुमन इंजीनियर नगर निगम।

बाघमारा प्रखंड कार्यालय में हुई पंचायत समिति सदस्यों की मासिक बैठक

कतरास, सूत्रकार

बाघमारा प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति सदस्यों की मासिक बैठक प्रखंड प्रमुख गीता देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी पंचायत समिति सदस्यों ने पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं के पंचायतों में क्रियान्वयन में प्रमुखता से आधी भागीदारी की मांग रखी। इसके अलावा बड़ा पांडेयडीह झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में टंकी के गर्म पानी का छात्राओं द्वारा सेवन करने का मामला उठाया।

जिस पर बीईईओ मो अहमद हुसैन ने जल्द ही विद्यालय में दो वाटर कूलर उपलब्ध कराने की बात कही। सदस्यों ने अत्यधिक बरसात से पूर्व जर्जर बिजली पोल व तार बदलने की मांग रखी। साथ ही बिजली मीटर रिडिंग समय पर नहीं होने की शिकायत की। जिस पर बिजली विभाग के जेई सोनू सामद ने मीटर रिडिंग स्टाफ की कमी की बात कही। इसके अलावा सदस्यों ने बीआरसी के भंडार कक्ष से चावल चोरी, डूमरा में सरकारी जमीन का अतिक्रमण, रोजगार सेवकों का ट्रांसफर करने की मांग, ब्लॉक टू क्षेत्र में कोयला खनन के दौरान उत्पन्न प्रदूषण का मामला समेत विभिन्न पंचायतों की समस्याओं को रखा। बैठक में मौजूद विभागीय अधिकारियों ने समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। बैठक में बीडीओ डॉ सुषमा आनंद, सीओ रविभूषण प्रसाद, प्रखंड उप प्रमुख रंजीत सिंह, सांसद प्रतिनिधि गौतम गोप, बीपीआरओ रघुवंश भारती, सीएचसी प्रभारी डा प्रभात सिन्हा, बीपीओ दीपक रवानी, बीएएचओ मो नवी हुसैन, नोडल अधिकारी प्रेमलता सिंह, प्रखंड समन्वयक उत्तम कुमार, बीसीसीएल अधिकारी श्री झा, जीके मेहता, वन अधिकारी दीपक कुमार, पंसस सुरेश रजक, अनिल कुमार तुरी, सुरेश रजक, पिंटू वर्णवाल, विकास दास, सुभाष साव, माइकल सहित लगभग सभी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मौजूद थे।

न्यूज फ्लैश

पानी की तलाश में रिहायशी इलाके में पहुंचा हिरण, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

कोडरमा, सूत्रकार

भीषण गर्मी से न सिर्फ इंसानी जिंदगी प्रभावित हो रही है बल्कि जंगली जानवरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि अब जंगली जानवर भी पानी की तलाश में रिहायशी इलाकों में प्रवेश करने लगें हैं। इसी कड़ी में जंगल से भटक कर एक हिरण कोडरमा के झुमरी तिलैया के तिलैया बस्ती में आ पहुंचा। जहां एक तालाब में पानी पीने के बाद वह एक स्कूल में जा घुसा। जिसके बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने उसे फिर से जंगल में छोड़ा।

इटकी से 1500 बोतल नशीला कफ सिरप के साथ तीन धराया

रांची, सूत्रकार

नशीला कफ सिरप का अवैध धंधा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इटकी थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन सरकारी अस्पताल भवन के लेबर शेड में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस की टीम ने 1500 बोतल नशे के रूप में उपयोग में आने वाले कफ सिरप बरामद किया है। वहीं पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल एसएसपी को सूचना मिली थी कि इटकी थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में एक गिरोह नशीला कफ सिरप का कारोबार कर रहा है और आसपास से युवकों को इसे बेच रहा है। पुलिस ने गिरोह पर नजर जमा कर रखा था। जिसके बाद पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की।

लैंड स्कैम का आरोपी इरशाद देगा सहायक आचार्य परीक्षा, कोर्ट ने दी अनुमति

रांची, सूत्रकार

रांची सिविल कोर्ट ने लैंड स्कैम केस के आरोपी मोहम्मद इरशाद को सहायक आचार्य परीक्षा देने में शामिल होने की अनुमति दे दी है। उसने रांची ढटछअ (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से झारखंड प्राइमरी स्कूल एंट्रेंस आचार्या कंबाइंड परीक्षा में शामिल होने की अनुमति के लिए याचिका दाखिल को थी। इरशाद की परीक्षा 27 जून को जमशेदपुर में है। कोर्ट ने उसे सुरक्षा के बीच परीक्षा सेंटर पर ले जाने और परीक्षा के बाद वापस होटवार जेल लाने का निर्देश दिया है।

राज अस्पताल में सीसीटी ईएम कोर्स की शुरुआत की गयी

रांची, सूत्रकार

राज अस्पताल, रांची में सीसीटी ईएम कोर्स की शुरुआत की गयी है। पहले यह मास्टर्स इन इमरजेंसी मेडिसिन प्रोग्राम के नाम से जाना जाता था। बता दें कि राज अस्पताल, रांची शहर में पिछले 32 वर्षों से श्रेष्ठ और उन्नत चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल को चिकित्सीय आपातकालीन स्थिति और गंभीर बीमारियों के इलाज का व्यापक अनुभव है। इसी दिशा में अग्रसर होते हुए मरीजों को और भी बेहतर सुविधाएं देने के लिए अस्पताल ने सीसीटी ईएम कोर्स की शुरुआत की है। यह कोर्स एसइएमआइ (सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन ऑफ इंडिया) द्वारा अनुमोदित है।अस्पताल के आपातकालीन विभाग के प्रमुख चिकित्सक डॉ श्याम प्रसाद ने बताया कि राज अस्पताल राज्य का पहला व एकमात्र संस्थान है जहाँ ये सुविधा शुरू हुई है। 3 साल के इस पाठ्यक्रम में छात्र चिकित्सकों को इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में सबसे बेहतर करने के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा। पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न चिकित्सीय विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक छात्र चिकित्सकों को प्रशिक्षण देंगे। कठोर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम चिकित्सकों को आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करेगा जिसकी देश भर के बड़े झ्र बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में मांग है। राज अस्पताल का आपातकालीन चिकित्सा विभाग शहर के सबसे बड़े आपातकालीन विभागों में से एक है, जो मरीजों को त्वरित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाले योग्य और प्रशिक्षित आपातकालीन चिकित्सकों, नर्सों और पैरामेडिकल टीम द्वारा संचालित है।

नेशनल अंडर-18 रग्बी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में झारखंड

रांची, सूत्रकार

पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 25-26 जून तक आयोजित नेशनल अंडर-18 रग्बी चैंपियनशिप में झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मंगलवार को झारखंड की टीम ने ग्रुप स्टेज में दो मुकाबले खेले। ग्रुप एफ के पहले मुकाबले में झारखंड ने मध्यप्रदेश को 52-0 से करारी शिकस्त दी, वहीं दूसरे मुकाबले में झारखंड ने पंजाब को 12-0 हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। झारखंड की ओर से डेविड मुंडा, अजीत नाग, नमजन मुंडू, अंकित भेंगरा, अभय होरो और सुखदेव मुंडू ने दोनों मैच में मुख्य रुप से स्कोर किया।

जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला 2024 के सफल आयोजन को लेकर रांची डीसी ने की बैठक

मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का दिए निर्देश

रांची, सूत्रकार

डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला के सफल आयोजन को लेकर बैठक हुई। बैठक में सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, जिला नजार उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, आवासीय दंडाधिकारी हटिया स्मृति कुमारी, जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रभारी अध्यक्ष रणेन्द्र कुमार, सचिव मिथलेश कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में डीसी ने जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला 2024 में व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर मंदिर न्यास समिति के सदस्यों से विचार-विमर्श करते हुए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। पंचमुखी मुहाने पर वॉच टावर, लाइट-पेयजल की व्यवस्था, मेला परिसर और मौसीबाड़ी में बिजली/जेनरेटर की व्यवस्था, मेला परिसर की स्वच्छता, चिकित्सक /एम्बुलेंस की व्यवस्था, अग्निशमन, चलंत शौचालय की व्यवस्था, यातायात व्यवस्था को लेकर विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया। नगर निगम के पदाधिकारी को मोरम या छाई या स्टोन डस्ट से मेला परिसर के गड्ढ़ों को भरने का निर्देश दिया गया। मेला परिसर में मांस-मछली व शराब के विक्रय पर रोक के लिए उपायुक्त द्वारा आम सूचना जारी करने को कहा गया। मेला के दौरान विभिन्न समितियों के स्वयं सेवकों को आईडी कार्ड उपलब्ध कराने, वाहन पास जारी करने, मंदिर (मुख्य) में सुरक्षा बलों और मौसीबाड़ी में सुरक्षाबलों की तैनाती, रथ के चारों ओर सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर भी निर्देश दिये गये। डीसी ने जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति को मेला से संबंधित निविदा को फाइनल करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दर ऑर्गेनाइज्ड हो, यह सुनिश्चित करें कि बेस रेट के अनुसार ही कलेक्शन हो।

अयोध्या के राम मंदिर में पानी रिसाव पर झारखंड में सियासत गर्म

जेएमएम ने भाजपा पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

रांची, सूत्रकार

अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में पानी रिसने के बाद इस पर सियासत तेज हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इसे भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए भाजपा पर जुबानी हमला बोला है। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि ये है भारतीय जनता पार्टी का भ्रष्टाचार को लेकर नायाब उदाहरण, जिन्होंने ईश्वर को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि पहली बारिश में ही न केवल अयोध्या राम मंदिर गर्भगृह में पानी का रिसाव हुआ है, बल्कि रामपथ भी ढह गया है और स्टेशन की चहारदीवारी गिर गई है। सुप्रियो ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से राम मंदिर निर्माण के लिए जमीन खरीद के नाम पर लूट हुई और उसके बाद लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया वह जगजाहिर है।

भाजपा के लिए भ्रष्टाचार भगवान से भी उपर है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आक्रामक हुई झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा को उनके शासनकाल को याद दिलाते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से जनता से माफी मांगने की अपील की है।जेएमएम कार्यालय में उन्होंने कहा कि बाबूलाल जी के शासनकाल में उनके गृह प्रखंड का पुल उदघाटन से पूर्व किस तरह से ढह गया था, उसके बाद रघुवर दास के शासनकाल में कोनार डैम को चूहा कुतर गया और 2500 करोड़ पानी में चला गया। इतना ही नहीं मोंमेटम झारखंड में हुई गड़बड़ी जगजाहिर है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो ने कहा कि हैरानी की बात यह कि पहली बारिश में ही भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में पानी का रिसाव हुआ। भाजपा ने लोगों के आस्था के साथ खिलवाड़ करते हुए आनन फानन में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की, जबकि अर्धनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शंकराचार्य ने आपत्ति जताई थी।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मिले संजय सेठ

सांसद खेल महोत्सव के लिए किया आमंत्रित

रांची, सूत्रकार

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। श्री सेठ ने उन्हें 20,21 व 22 सितंबर को रांची में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव के उद्घाटन सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। बताते चलें कि 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से रांची में भव्य सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें रांची लोकसभा के अंतर्गत 6 विधानसभा क्षेत्र के लगभग 10 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया था। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन झारखंड ओलंपिक संघ की देखरेख में आयोजित किया जायेगा, जहां देश के प्रतिष्ठित कोच उपलब्ध रहते हैं जो प्रतिभाशाली बच्चों की प्रतिभा का चयन कर उन्हें राज्य और देश के लिए खेलने को तैयार करते हैं। केंद्रीय मंत्री सेठ की इस पहल पर पिछली बार सैकड़ों बच्चों की प्रतिभा सामने आयी थी। आज वह बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। इसी सोच के साथ 2024 में भी सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 20,21,22,सितंबर को रांची में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एथलेटिक्स, बुशु, फेर्निशिंग, रेसलिंग, कबड्डी, महिला हॉकी, महिला क्रिकेट, योगा, तीरंदाजी, मलखव, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो, महिला फुटबॉल सहित अन्य खेलों को शामिल किया गया है।

जुडको के अधिकारी ने विधानसभा विशेष समिति के समक्ष मांगी माफी

रांची, सूत्रकार

राजधानी रांची की बदहाल सड़कें 15 दिनों में दुरुस्त हो जाएंगी। जुडको और नगर निगम के अधिकारियों ने विधानसभा द्वारा गठित विशेष समिति के सदस्यों को यह आश्वासन दिया है।दरअसल, पिछले बजट सत्र के दौरान राजधानी रांची में जुडको द्वारा बनाए जा रहे सिवरेज ड्रेनेज और पाइप लाइन बिछाए जाने की वजह से जगह-जगह गड्ढे में तब्दील सड़कों को लेकर विधानसभा में मामला उठा था। जिसके बाद स्पीकर ने मथुरा महतो के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एक विशेष समिति गठित की थी। विधानसभा की इस विशेष समिति में संयोजक मथुरा महतो के अलावे विधायक सीपी सिंह और रामचंद्र सिंह बतौर सदस्य शामिल हैं।

विधानसभा के विशेष समिति के सदस्यों ने मंगलवार को रांची की सड़कों का जायजा लिया। इस दौरान जमीनी हकीकत देख समिति ने जुडको और नगर निगम के अधिकारियों पर जमकर भड़ास निकाली। साथ ही गढ्ढे में तब्दील इंद्रपुरी, वर्दमान कंपाउंड और चुटिया की सड़कों को देखकर समिति ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बात रही। वहीं मामला बिगड़ता देख जुडको के अधिकारियों ने समिति से माफी मांगते हुए इन इलाकों की सड़कों को 15 दिन के अंदर दुरुस्त करने का मोहलत मांगी। इसके बावजूद समिति ने पूरी रिपोर्ट विधानसभा को देकर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। राजधानी की सड़कों पर जगह-जगह गढ्ढा और टूटे-फूटे नाला की वजह से फैल रही गंदगी पर नाराजगी जताते हुए विधानसभा के समिति ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है।विधानसभा विशेष समिति के संयोजक मथुरा महतो भी मानते हैं कि राजधानी के गली-मोहल्ला से लेकर प्रमुख सड़कों पर पाइपलाइन बिछाने और सीवरेज ड्रेनेज निर्माण की वजह से सड़क जगह-जगह टूटी हुई हैं। जिसकी मरम्मत की जिम्मेदारी जुडको की है। इसके लिए उसे पैसा भी मिले हैं इसके बावजूद सड़कों पर गड्ढे बने हुए हैं। विधायक सीपी सिंह कहते हैं कि जिस तरह से जुडको और नगर निगम के द्वारा काम किया जा रहा है, वैसे में इनसे ज्यादा की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालांकि उन्होंने 15 दिन का समय मांगा है। बहरहाल, इन सब परेशानियों को लेकर जनता की आ रही लगातार शिकायत से माननीय परेशान हैं। आगे विधानसभा चुनाव है और दूसरी ओर जनता की परेशानी नाराजगी में बदल रही है। ऐसे में चुनाव नजदीक आते ही जनता का खास ध्यान रखना भी जरूरी है।

विष्णु अग्रवाल पर ईडी का कसता शिकंजा

पुगडू मौजा की 9.50 एकड़ जमीन 10 दिन में खाली करने का आदेश

रांची, सूत्रकार

झारखंड के जाने-माने कारोबारी और न्यूक्लियस मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल पर ईडी का शिकंजा कसने लगा है। ईडी ने विष्णु अग्रवाल को पुगडू मौजा की 9.50 एकड़ जमीन को 10 दिनों के भीतर खाली करने का आदेश दिया है एक सितंबर 2023 को ईडी ने विष्णु अग्रवाल की 161 करोड़ बाजार मूल्य की तीन संपत्तियों को अंतरिम तौर पर जब्त कर लिया था तीनों जमीनों में पुगडू मौजा की 9.50 एकड़ की खासमहल की जमीन भी शामिल थी। मंगलवार को इस अंतरिम जब्ती पर ईडी की एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी ने मुहर लगा दी है। अब यह जमीन पर स्थायी तौर पर अटैच कर दी गई है विष्णु अग्रवाल के द्वारा जमीन खाली कराए जाने के बाद इस जमीन पर ईडी जब्ती से जुड़ा बोर्ड लगाएगी ताकि इस जमीन की खरीद बिक्री भविष्य में ना हो सके। मंगलवार को इसी मामले में रांची न्यूक्लियस मॉल के संचालक विष्णु अग्रवाल को पुगडू मौजा की 9.50 एकड़ जमीन को खाली करने का आदेश ईडी ने दिया है। ईडी ने 10 दिनों के भीतर जमीन खाली करने का नोटिस ईडी ने भेजा है। पुगडू में 9.50 एकड़ खासमहल जमीन की गलत तरीके से रजिस्ट्री की गई थी। ईडी ने जमीन की रजिस्ट्री में गड़बड़ी और मनी लाउंड्रिंग के साक्ष्य पाने के बाद जमीन को जब्त किया गया था। जांच के क्रम में एजेंसी ने नामकुम की पूर्व सीओ शुभ्रा रानी का बयान दर्ज किया था। ईडी को दिए बयान में शुभ्रा रानी ने स्वीकार किया है कि पुगडू मौजा की 9.50 एकड़ जमीन खासमहल की थी लेकिन इस जमीन की गलत तरीके से रजिस्ट्री करायी गई थी। इस मामले में तत्कालीन डिप्टी रजिस्ट्रार की भूमिका संदेहास्पद है।

रांची की ट्रैफिक व्यवस्था पर हाईकोर्ट की सख्त मौखिक टिप्पणी

क्या अदृश्य हो गये हैं 600 अतिरिक्त होमगार्ड के जवान

रांची, सूत्रकार

राजधानी की लचर ट्रैफिक व्यवस्था से आम हो या खास, सभी परेशान हैं। कोई ऐसा दिन नहीं गुजरता, जब किसी रूट पर जाम की समस्या उत्पन्न ना होती हो। इस मसले को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सख्त मौखिक टिप्पणी की है।

जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की अदालत में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि कई जगहों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए होमगार्ड के अतिरिक्त जवान लगाए गये हैं। इस खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार की ओर दायर शपथ पत्र के जरिए कहा गया था कि 15 जून से रांची में 600 अतिरिक्त होमगार्ड के जवानों को तैनात किया जाएगा। अब कहा जा रहा है कि कुछ जगहों पर होमगार्ड से भी सेवा ली जा रही है।

क्या 600 अतिरिक्त जवान अदृश्य हो गये हैं। हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि खंडपीठ ने ट्रैफिक व्यवस्था से जुड़े कई मसलों पर नाराजगी जतायी है।

कोर्ट ने कहा कि 900 परमिट की जगह शहर में साढ़े चार हजार से ज्यादा ई-रिक्शा चल रहे हैं। राजधानी में जगह-जगह जाम की स्थिति रहती है। कई जगहों पर ट्रैफिक लाइट खराब पड़े हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए तैनात जवानों को कड़ी धूप से बचाने के लिए मुकम्मल व्यवस्था तक नहीं है। कोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए सुनवाई की अगली तारीख गुरुवार को तय की है। कोर्ट ने यह भी कहा कि आदेश जारी होने पर दो-तीन तक ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए पहल की जाती है। इसको बरकरार नहीं रखा जाता है। कुछ दिन बाद पुरानी स्थिति नजर आने लगती है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि अब शपथ पत्र से काम नहीं चलेगा।

पुलिस ने किया 1000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

रांची, सूत्रकार

नशा कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। जिन तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उसमें शिशुपाल लोहरा, आरती देवी और करमी देवी शामिल है। इन सभी की गिरफ्तारी अरगोड़ा और विधानसभा इलाके से हुई है। इन लोगों के घर की तलाशी लेने पर ब्राउन शुगर की 1000 पुड़िया बरामद की गई। एसएसपी मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा को सूचना मिली थी कि विधानसभा थाना क्षेत्र के नयासराय कल्लु मैदान के पास शिशुपाल लोहरा और उसके परिवार के लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते हैं। जिसके बाद छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने नया सराय स्थित शिशुपाल लोहरा के घर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देख दो महिलाएं और एक पुरुष भागने लगे। उन्हें पुलिस ने खदेड़कर पकड़ लिया।

विपक्ष की बात नहीं करेंगे तो मोदी सरकार नहीं चलेगी : वृंदा करात

रांची, सूत्रकार

सीपीएम की पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पूर्व सांसद वृंदा करात ने कहा कि लोकसभा के परिणाम से मोदी जी के दल को गहरा धक्का लगा है। आज भी दिल्ली में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्पीकर व डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को जाना चाहिए। हमारे संसद के इतिहास में कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है। स्पीकर सब का होता है, डिप्टी स्पीकर हम लोग चुनेंगे। इस बार पार्लियामेंट में बुलडोजर नहीं चलने देंगे। विपक्ष की बात नहीं सुनेंगे तो मोदी सरकार नहीं चलेगी। वह मंगलवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोल रही थी। उन्होंने कहा कि महंगाई, जमीन घोटाला, कोयला घोटाला, बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। किसानों को भी धोखा दिया है, यूज एंड थ्रो की राजनीति करते हैं, मोदीजी, बांग्ला भाषी मुसलमानों को टारगेट कर रहे हैं, यह गलत है, वे 40 से 50 साल से रह रहे हैं। जन मुद्दों को भी चिन्हित किया गया है, पानी की विकराल समस्या से शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र जूझ रहे हैं। जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसान परेशान हैं, हरा राशन कार्डधारियों को कोई राशन नहीं मिल रहा है। मिनिमम वेज बढ़ा है, तो इसे बढ़ने दें, रोक लगेगी तो इस पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। 16 अगस्त से 21 अगस्त तक विरोध कार्रवाई का आयोजन जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर पर किया जायेगा। प्रेस वार्ता में सीपीएम के वरीष्ठ नेता रामचंद्र ओम, राज्य सचिव प्रकाश विप्लव शामिल थे। पूर्व सांसद वृंदा करात के नेतृत्व में सीपीएम का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में औपचारिक मुलाकात की। उन्होंने मिल कर जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसानों की परेशानी समेत अन्य मुद्दों को रखा।

गोड्डा में कांग्रेसियों ने किया सड़क जाम, सांसद प्रतिनिधि पर लगाया मारपीट का आरोप

गोड्डा, सूत्रकार

लोकसभा चुनाव 2024 खत्म होने के बाद गोड्डा में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट का मामला सामने आया है कांग्रेस कार्यकताओं ने इसके विरोध में मंगलवार को गोड्डा में सड़क जाम कर विरोध जताया। इस दौरान कांग्रेसियों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों का आरोप है कि दो दिन पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ता सत्येंद्र मंडल के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मारपीट की है इसे लेकर कांग्रेसियों ने सदर थाना में मामला भी दर्ज कराया था, लेकिन मामला दर्ज कराने के बावजूद जब कोई कर्रवाई नहीं हुई तो युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विकास सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने सड़क जाम कर दिया और नारेबाजी की। इस मौके पर विकास सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि सांसद निशिकांत दुबे के प्रतिनिधि किशन कन्हैया और सुभाष यादव समेत कुछ लोगों ने उनके कांग्रेस कार्यकर्ता सत्येंद्र मंडल के साथ ये कहते हुए मारपीट की कि उसने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का क्यों समर्थन किया। वहीं इस दौरान विकास सिंह ने पुलिस प्रशासन पर भी त्वरित कर्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही गोड्डा एसडीपीओ जेपीएन चौधरी मौके पर पहुंचे और सड़क जाम करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझा-बुझाकर शांत कराया। एसडीपीओ ने कहा कि मामले में नियम संगत कर्रवाई की जाएगी। दोषी को बख्शा नहीं जायेगा।

न्यूज फ्लैश

बकाया मजदूरी भुगतान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कोयला ढुलाई बाधित किया

पाकुड़, सूत्रकार

मजदूरी की मांग को लेकर लोटामारा के ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह करीब 08:00 बजे कोयला ढुलाई को बाधित कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक और सड़क को जाम कर दिया। जानकारी मिलने के बाद पाकुड़ नगर थाना, मालपहाड़ी आउटपोस्ट की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा कर जाम हटवाया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिमाह दी जाने वाली मजदूरी पर कोयला कंपनी ने रोक लगा दी है। इस कारण परिवार का भरण-पोषण करने में परेशानी हो रही है। कई बार कंपनी के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन मजदूरी भुगतान नहीं किया गया।

लातेहार के जंगल में अज्ञात शख्स की मिली लाश

लातेहार, सूत्रकार

जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत हेहेगड़ा रेलवे स्टेशन के निकट जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। डीएसपी वेंकटेश प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। दरअसल सोमवार की शाम हेहेगड़ा के आसपास रहने वाले कुछ ग्रामीणों ने एक व्यक्ति का शव जंगल में देखा। शव से काफी अधिक दुर्गंध आ रही थी। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि शव यहां पिछले तीन-चार दिन से लटका हुआ हो। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी धीरज कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा करने के बाद उसे कब्जे में ले लिया। घटनास्थल से कुछ दैनिक उपयोग के सामान भी बरामद हुए हैं। हालांकि मृतक का कोई आईडी प्रूफ नहीं मिलने के कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। आज शव का पोस्टमार्टम होगा। इधर इस संबंध में डीएसपी वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि यह हत्या का मामला है या फिर आत्महत्या का। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान करने का भी प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि प्रथमदृष्टया यह मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा हो जाएगा।

बोकारो में 19वीं कोयला क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो, सूत्रकार

19वीं तीन दिवसीय कोयला क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का आयोजन बोकारो के सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन में आयोजन किया गया। जिसमें धनबाद से कुल 75 एवं बोकारो से कुल 80 पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों ने भाग लिया। खेल कूद प्रतियोगिता में कबड्डी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, फुटबॉल, हॉकी और एथलेटिक्स शामिल है, जिसमें कुल 14 स्पर्धा है। डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पुलिस की नौकरी व्यस्त और तनावपूर्ण होती है। इससे निकलने का एक मात्र जरिया खेल है, जो हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और मजबूत बनाता है।

दुमका में युवक को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

दुमका, सूत्रकार

जिले में युवक को गोली मारने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से एक पिस्तौल भी बरामद किया गया है। एसडीपीओ संतोष कुमार ने इसकी जानकारी दी। बीते रविवार की रात जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार के पास बाइक सवार अपराधी ने विभाष चौधरी नाम के युवक को दो गोली मारकर मौके पर से फरार हो गए थे। घायल युवक को गंभीर अवस्था में पहले स्थानीय अस्पताल फिर बाद में देवघर में भर्ती कराया। जहां अभी भी उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हंसडीहा के हाथगढ़ में अपने ही साथी विभाष कुमार पर जानलेवा हमला करने वाले विक्रम मंडल को पुलिस ने दबोच लिया है। रविवार की रात में घटना की सूचना मिलने पर वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर एसडीपीओ संतोष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। इसके बाद टीम ने उसके लोकेशन के आधार पर पीछा किया तो धमनाकुंडा के पास देवघर रोड में उसने पुलिस की टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद विक्रम को सरैयाहाट थाना क्षेत्र के सवार्धाम रेलवे पुल के पास से रात के 1।15 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, घटना में प्रयुक्त देशी पिस्तौल, एक जिंदा गोली, ब्लू रंग की मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद किया गया। वहीं, घटनास्थल और अन्य जगहों से चार खोखे भी बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी विक्रम मंडल का आपराधिक इतिहास रहा है। उनके खिलाफ हंसडीहा थाना में साल 2020 में आर्म्स एक्ट सहित दो और इसी साल 2024 में 26 मार्च को विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। वह एक साल पहले ही जेल से बाहर आया था। अब उनके खिलाफ दो अलग-अलग मामले को लेकर केस दर्ज किए गए हैं, जिसमें एक मामला थाना प्रभारी संजय कुमार के बयान पर भादवि की धारा 353 व 307 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25-1बीए, 26 एवं 27 के तहत दर्ज हुआ है, जबकि दूसरा मामला घायल विभाष कुमार उर्फ विक्की के बयान पर 326 व 307 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत दर्ज हुआ है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा

झारखंड में 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी राष्ट्रीय जनता दल

पलामू, सूत्रकार

गठबंधन हो या न हो चुनाव की तैयारी हो गई शुरू

झारखंड की 22 विधानसभा सीटों पर राष्ट्रीय जनता दल चुनाव लड़ेगी। पलामू और चतरा जिला की सभी विधानसभा सीट के अलावा कोडरमा, गोड्डा, जरमुंडी जैसे भी नाम शामिल हैं। पार्टी का साफ तौर पर कहना है कि गठबंधन हो या नहीं हो, राजद ने विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। 22 विधानसभा सीटों पर राष्ट्रीय जनता दल ने अपने प्रत्याशियों के नाम का भी चयन कर लिया है। झारखंड राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव का कहना है कि झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी ने तैयारी में शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के 22 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गये हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के समय लेकर पूरी बातों को रखा जाएगा और प्रदेश ईकाई की भावनाओं से अवगत करवाया जाना है। पार्टी झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है और पलामू, चतरा की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मंगलवार को लोकसभा चुनाव में हार के बाद प्रदेश राजद की समीक्षा बैठक हुई। इसी बैठक के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव मीडिया से बातचीत कर रहे थे। राष्ट्रीय जनता दल इंडिया गठबंधन के घटक दलों में शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय जनता दल में चार सीटों पर दावा किया था लेकिन सिर्फ पलामू लोकसभा सीट ही पार्टी के खाते में आई थी। राष्ट्रीय जनता दल का झारखंड में एकमात्र विधायक सत्यानंद भोक्ता है। सत्यानंद भोक्ता सरकार में श्रम मंत्री हैं। राष्ट्रीय जनता दल पलामू, चतरा, कोडरमा और गोड्डा को अपना गढ़ मानती है।

लातेहार में इमरजेंसी के विरोध में बीजेपी ने मनाया काला दिवस

लातेहार, सूत्रकार

बीजेपी ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल (इमरजेंसी) के विरोध में मंगलवार को काला दिवस मनाया। वक्ताओं ने इमरजेंसी का विरोध किया। उन्होंने कहा कि मौलिक अधिकार के साथ-साथ प्रेस की आजादी छीन ली गयी थी। इसके पूर्व जिला बीजेपी कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन जिला अध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में की गयी। आपातकाल के समय बंदी बनाए गए मनबहाल सिंह को मुख्य अतिथि बीजेपी के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। लातेहार में वक्ताओं ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने आपातकाल लागू कर आम नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे। प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गयी थी। आपातकाल के समय 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में डाला गया था। इसमें लगभग 22 लोगों की मौत हो गयी थी। प्रदेश बीजेपी के निर्देश पर 6 जुलाई तक बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जिले से लेकर बूथ स्तर तक कई कार्यक्रम होंगे। 5 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम के तहत बीजेपी के सभी सदस्यों को ह्यएक पेड़ मां के नामह्ण कार्यक्रम चलाना है। इसे सोशल मीडिया पर अपलोड भी करना है। मंच का संचालन जिला महामंत्री वंशी यादव व धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष उषा देवी ने किया। मौके पर पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह व प्रकाश राम, राजधानी यादव, राकेश दुबे, पूनम देवी, रामदेव सिंह, सरोज देवी, प्रियंका देवी, बलवंत सिंह, मुकेश पांडेय, परशुराम लोहारा, प्रतिमा देवी, रेनू देवी, कुलामान साहू, उमेश सिंह, बबन पासवान, शीला देवी, त्रिवेणी साहू, महताब आलम, लव दुबे, मनोज प्रसाद, आशा देवी, अर्पणा सिंह, शिल्पा भगत, अनिल सिंह, अमित कुमार, रानी देवी, प्रमोद कुमार, लक्ष्मण कुशवाहा, रितेश कुमार, मुंद्रिका सिंह आदि मौजूद थे।

पंचायत समिति ने की योजनाओं की समीक्षा
वन विभाग के प्रतिनिधि रहे अनुपस्थित

पाकुड़, सूत्रकार

प्रखंड सभागार में प्रमुख रानी सोरेन की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सभी विभागों में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गयी। बैठक में बीडीओ दिलीप टुडू, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, उपप्रमुख अब्दुल गनी मोमिन सहित सभी विभागों के पदाधिकारी, पंचायत समिति सदस्य एवं पंचायत कर्मी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम सीओ मनोज कुमार ने अंचल कार्यालय से सम्बद्ध प्रमाण पत्र निर्गत, लगान जमा, कचरा प्रबंधन की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सभी पंचायत में कचरा प्रबंधन हेतु जगह चिह्नित करना है। इसमें स्वच्छ भारत मिशन द्वारा कचरा जमा कर उसका रिसाइकिल कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार सिंह द्वारा आयुष्मान कार्ड की जानकारी तथा उपयोगिता के बारे में बताया गया। साथ ही आयुष्मान कार्ड निबंधन हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में 15 जून से 30 जून तक कैम्प चलाया जा रहा है। प्रभारी एमओ द्वारा चना एवं चावल वितरण की जानकारी दी गयी। कृषि हेतु बीज वितरण के बारे में भी उन्होंने बताया कि 515 रुपए में 25 किलो धान का बीज लैम्प्स के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। साइकिल वितरण के बारे में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से बताया कि आठवीं कक्षा में पढ़ रहे कुल 1663 में से सभी छात्रों को साइकिल दी जाएगी।

अभी घाघरजानी से 27 तथा तारापुर से 69 दो विद्यालय के छात्रों को साइकिल दी गयी है। तत्पश्चात सहायक अभियंता ने मनरेगा से बिरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, नाडेप, सोक पिट, अबुआ आवास योजना के क्रियान्वयन की जानकारी दी। बैठक में विद्युत विभाग, सहकारिता विभाग एवं अन्य विभागों की जानकारी भी ली गयी।

राष्ट्रीय जनता दल की समीक्षा बैठक में हंगामा

पैसे की कमी रहा हार का कारण

पलामू, सूत्रकार

राष्ट्रीय जनता दल की समीक्षा बैठक में हंगामा हुआ है। यह हंगामा पार्टी के बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच हुआ। लोकसभा चुनाव 2024 में राष्ट्रीय जनता दल पूरे झारखंड में एकमात्र पलामू लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी। पलामू लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनता दल चुनाव हार गई। लोकसभा चुनाव में मिली हार की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को राजद की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

पहले यह समीक्षा बैठक रांची में आयोजित की गई थी बाद में यह पलामू में तय किया गया। इस समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव, पार्टी के झारखंड समन्वयक गौतम सागर राणा, पलामू लोकसभा सीट से प्रत्याशी ममता भुइयां, पलामू के जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा समेत बड़े राजा नेता मौजूद रहे। इस बैठक में संबोधन को लेकर पार्टी के बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हुआ और काफी देर तक हंगामा होता रहा। राष्ट्रीय जनता दल की समीक्षा बैठक में एक बड़े नेता पैसे का हिसाब देना शुरू कर दिया। इसी बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने उन्हें रोका और आगे की बात करने को कहा। नेता फंडिंग से लेकर नेताओं पर हुए खर्च पाई-पाई का हिसाब जुड़वाने लगे। इस समीक्षा बैठक के दौरान कई राजद नेताओं ने कहा कि प्रत्याशी ने फोन उठाना बंद कर दिया था। पार्टी के नेताओं ने कहा कि हर की समीक्षा होनी चाहिए और निर्णय मजबूत होना चाहिए ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती के साथ खड़े हों। प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल मजबूती के साथ चुनाव लड़ी है। जनता उनके साथ खड़ी थी। आर्थिक स्थिति बाधक बनी थी। भौतिक युग में इसका बड़ा प्रभाव रहा है। भारतीय जनता पार्टी के दुषप्रचार का भी प्रभाव पड़ा है। पार्टी के कार्यकर्ता ईमानदारी से लगे हुए है। राष्ट्रीय जनता दल को दोगुना वोट मिला है।

कार की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत

चतरा, सूत्रकार

ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर किया सड़क जाम

जिले के सदर थाना क्षेत्र के चतरा-हजारीबाग मुख्य पथ पर सोमवार को खरीक गांव के समीप सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार कोयला लदा ट्रक से बचने के चक्कर में एक कार अनियंत्रित हो गई और बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में घटनास्थल पर ही बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक ने इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया।

मृत युवकों की पहचान घंघरी कल्याणखाप गांव निवासी एजाज और तस्लीम के रूप में की गई है। मृतकों के परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक कान्हाचट्टी में कल्याण विभाग के द्वारा छात्रों के वितरण के लिए मंगाई गई साइकिल फिंटिंग का कार्य करते थे।

दोनों युवक सोमवार देर शाम घर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे में उनकी मौत हुई। वहीं घटना के बाद मृत युवकों के परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों और परिजनों ने दूसरे दिन शवों के साथ सड़क जाम कर दिया। इस दौरान ग्रामीण प्रशासन से मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। साथ ही ग्रामीणों की मांग थी कि नो एंट्री का सख्ती से पालन कराया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि नो एंट्री का पालन नहीं कराए जाने से आए दिन हादसे होते हैं। वहीं इस दौरान चतरा हजारीबाग मुख्य पथ घंटों जाम रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चट्टीबारियातू परियोजना में कार्यरत प्रगति ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के कोयला वाहन के कारण यह हादसा हुआ है। कोयला वाहन से चट्टीबारियातू से कटकमसांडी रेलवे साइडिंग तक कोयला ढुलाई का कार्य किया जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वाहन चालक लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं।

श्रम करते पाये जाने वाले दो बच्चों को अभिभावकों को सौंपा

दोनों बच्चों को स्कूल भेजने का निर्देश दिया

पाकुड़, सूत्रकार

13 वर्षीय दो बच्चों को दुकान में काम करते पाये जाने पर उन दोनों बच्चों को सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार और बाल कल्याण समिति ने मंगलवार को उनके परिजनों को सौंप दिया। इस दौरान उनके परिजनों को दोनों बच्चों को स्कूल भेजने और घर में रखने को लेकर निर्देश दिया गया। साथ ही फॉर्म-20 में बॉन्ड भी भराया गया। मालूम हो कि श्रम अधीक्षक रमेश प्रसाद सिंह ने सोमवार को हिरणपुर बाजार और बासकेंद्री से दुकान में काम करते पाये जाने पर उन्हें बाल कल्याण समिति को सौंप दिया था। दोनों बच्चों को एक दिन के लिए बाल आश्रय गृह पाकुड़ में रखा गया। इसके बाद मंगलवार को उनके अभिभावकों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अजय कुमार गुड़िया ने कहा कि बाल मजदूरी कराना अवैधानिक है। बाल मजदूरी को लेकर पीएलवी द्वारा जागरूकता अभियान निरंतर चलाया जा रहा। मौके पर बाल कल्याण समिति के सदस्य रतन सिंह, सुबीर भट्टाचार्य, रंजना श्रीवास्तव मौजूद थे।

बाइक साइड नहीं करने पर कर दी फायरिंग

गोली लगने से बगल में खड़े युवक की मौत

गढ़वा, सूत्रकार

स्कार्पियो सवार लोगों ने एक युवक को सामने से बाइक हटाने को कहा, युवक बाइक हटाने को राजी नहीं हुआ है। बाद में स्कॉर्पियो सवार और युवक के बीच बहस होने लगी। इसी बहस में स्कॉर्पियो सवार लोगों ने युवक को लक्ष्य कर गोली चलाई, लेकिन गोली एक दूसरे युवक को लग गई। युवक को गोली लगने के बाद मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना झारखंड के गढ़वा जिला की है। दरअसल गढ़वा में पचपड़वा के इलाके में तैयब अंसारी नामक युवक कुछ काम से गया हुआ था। वह पचपड़वा के इलाके में रोड के किनारे खड़ा था। इसी क्रम में एक स्कॉर्पियो मौके पर पहुंचती है और रोड के किनारे खड़ा करना चाहती है।

स्कॉर्पियो के सामने एक बाइक रुकी हुई थी। स्कॉर्पियो सवार लोगों ने बाइक हटाने को कहा और युवक से बहस करने लगे। बाद में बाइक सवार युवक बाइक को हटाने पर राजी नहीं हुआ। जिसके बाद स्कॉर्पियो सवार लोगों ने हथियार निकाल कर बाइक सवार पर फायरिंग की। स्कॉर्पियो सवार लोगों के फायरिंग में बाइक सवार युवक के पीछे खड़े तैयब अंसारी नामक युवक को गोली लग गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तैयब अंसारी गढ़वा के महूलिया नौडीहा का रहने वाला था। तैयब अंसारी के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन और शुभचिंतक मौके पर पहुंचे। गढ़वा एसपी दीपक पांडेय ने बताया कि पार्किंग के विवाद में हत्या हुई है पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है और अपराधियों का पकड़ने का प्रयास कर रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने पलामू, लातेहार और गढ़वा एसपी को प्रशस्ति पत्र भेजा

पलामू, सूत्रकार

दशकों बाद पलामू जोन में हिंसा मुक्त चुनाव हुआ है। पिछले तीन दशक से नक्सली संगठन चुनाव के दौरान हिंसक घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। लेकिन इस बार लोकसभा के चुनाव में पलामू, लातेहार और गढ़वा के इलाके में किसी भी तरह की हिंसा नहीं हुई है। लोकसभा चुनाव के सफल क्रियान्वयन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने पलामू, लातेहार और गढ़वा एसपी को प्रशस्ति पत्र भेजा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार का पत्र पलामू एसपी रीष्मा रामेशन, लातेहार एसपी अंजनी अंजन और गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय को मिला है। पलामू और गढ़वा, पलामू लोकसभा क्षेत्र जबकि पलामू का पांकी विधानसभा एवं लातेहार, चतरा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। पलामू एसपी रीष्मा रामेशन, लातेहार एसपी अंजनी अंजन, गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय ने पत्र मिलने की पुष्टि की है। पलामू का इलाका नक्सल हिंसा के लिए पूरे देश भर में चर्चित रहा है और चुनाव के दौरान कई बड़ी घटनाएं हुई हैं। जबकि गढ़वा और लातेहार का सीमावर्ती क्षेत्र पर बूढ़ा पहाड़ मौजूद है, जो माओवादियों का ट्रेनिंग सेंटर रहा है। बूढ़ा पहाड़ के कई इलाकों में तीन दशक के बाद मतदान केंद्र बनाया गया था। जहां बंपर वोटिंग हुई है। वहीं पलामू के कई इलाकों में केंद्रों तक पोलिंग पार्टी सड़क मार्ग से मतदान केंद्र तक गई है। पलामू के चक के इलाके में पहली बार मतदान कर्मी सड़क मार्ग से गए थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने तीनों एसपी को पत्र लिखकर चुनाव के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की है।

संपादकीय

क्या एनटीए महाघोटाला है?

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और नीट के तहत परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं, ये मुद्दे यहीं तक सीमित नहीं हैं। एनटीए एक भ्रष्टाचारी और कदाचारी नेटवर्क की सांठगांठ का महाघोटाला है। पृष्ठभूमि में परीक्षा-माफिया सक्रिय है। सिर्फ पेपरलीक और सॉल्वर गैंग की ही साजिशें नहीं हैं, बल्कि बड़ी मछलियां भी हैं, जिनके बच्चों के लिए नीट परीक्षा से कुछ दिन पहले भी एनटीए की ऑनलाइन खिडकी खोली गई थी, ताकि वे परीक्षा के लिए अपने पंजीकरण करा सकें। उस दौर में 24,000 से अधिक पंजीकरण कराए गए। इसकी भी जांच होनी चाहिए कि फरवरी और मार्च में एनटीए की खिडकी खोली गई थी, तब इन लोगों ने पंजीकरण क्यों नहीं कराया? नीट की डॉक्टरी प्रवेश परीक्षा की धांधलियां सामने आ रही हैं। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्न-पत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में मुन्ना भाई एमबीबीएस पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? उम्र भी फिसल रही है, लिहाजा नौकरी की भी अनिवार्यता है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है।

परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महाविशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं, लेकिन वे एनटीए की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को दो माह का समय दिया गया है। सर्वोच्च अदालत में भी एनटीए, नीट परीक्षा के मामले विचाराधीन हैं, जिनकी सुनवाई 8 जुलाई को है। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर पेपरलीक और उनके पीछे के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। सीबीआई जांच का निष्कर्ष क्या होगा और कब आएगा, वह भी अनिश्चित है। केंद्र सरकार ने एक कानून भी लागू किया है। बेहद गंभीर सवाल है कि अनिश्चितताओं के इस दौर में युवा छात्रों का क्या होगा? नीट के अभ्यर्थी भी विभाजित हैं। क्या सफल युवाओं को उनके मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाएंगे या नीट परीक्षा का परिणाम ही रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा दोबारा होगी? यदि समिति और अदालत के अलग-अलग निर्णय सामने आते हैं, तो फिर युवा अभ्यर्थी क्या करेंगे?

जो परीक्षा में सफल रहे हैं, क्या वे डॉक्टरी की पढ़ाई शुरू नहीं कर सकेंगे, यह बहुत अहम सवाल है। एनटीए के अस्तित्व और आंतरिक सुधारों के अलावा, कई और सवाल पैदा हो गए हैं। निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के लिए गंभीर चुनौती है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए, क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा। अमरीका की तरह परीक्षाएं साल में दो बार या अधिक बार आयोजित की जा सकती हैं, क्योंकि हमारे सामने आबादी की भी समस्या है। परीक्षाओं के विकेंद्रीकरण से भी सरकार को शमार्ना नहीं चाहिए। इस पर समिति विचार कर सकती है और अन्य विशेषज्ञों की भी सलाह ले सकती है। व्यापक स्तर पर सुधार और साफ-सफाई करनी पड़ेगी, क्योंकि लाखों युवा भारतीयों का भविष्य दांव पर है। बहरहाल, यह मामला जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया है।

उपचुनावों की जद में

किस कद्र सिरहन पैदा करते हैं उपचुनाव, हर सुर्खी का इंतखाब अब इंतकाम है। तीन निर्दलीयों के उपचुनाव का भय यह कि अगर तसल्ली न हुई तो फिर नए शेर अखाड़े में आएंगे। लोकतंत्र के न्यायाधीश अलग होते हैं, मतदान की किफायत में कहां दलील होती है। हिमाचल का मतदाता कहां चाहता था कि पहले छह और अब तीन उपचुनावों की लू में साथ निभाए, लेकिन बरसात की उम्मीद में लोकतंत्र का खेत तो बचाना है। कौन आएगा, कौन पिछड़ जाएगा, इससे कहीं दूर चुनावी मंतव्य की शेखियां फलक पर हैं और लगता है दो प्रमुख दलों के हाशियों के बीच मतदाता रगड़ खा रहा है। कोई छह सीपीएस मामले में एक और उपचुनाव की धमकी दे रहा है, तो कोई नौ विधायकों की लंबित याचिका पर उपचुनाव की घुडकी दे रहा है। हमने पहले ही इन्हीं कालमों में सचेत किया है कि हिमाचल अब राजनीतिक अस्थिरता के मुहाने पर खड़ा है। एक दो और गलत कदम हमें अस्थिर राजनीति की गिरफ्त में ऐसा फंसा देंगे कि फिर सिर्फ चुनाव, उपचुनाव या विधायकों के आसन बदलेंगे। इससे पहले स्थानीय निकायों तक ही यह खेल जारी था, लेकिन अब न चुनाव के मुद्दे और न ही मकसद बचा। यह विपक्ष और सत्ता के चरित्र की बात नहीं, बल्कि समाज की असमर्थता भी है। समाज अपने भीतर का जो पक्ष सियासी नेतृत्व को सौंप रहा है, उससे और क्या उम्मीद की जाए। ऐसे में चुनाव का प्रचार, प्रकार, प्रकरण, प्रपंच और परिस्थितियां भयभीत तो करेंगी ही और अगर जिस भाषा में अगले उपचुनावों की आशंका को उकेरा जा रहा है, उसे ध्यान में रखकर मतदान किया जाए, तो शायद ही कोई जीतेगा। यह मुकाबला भाषा का है, तो सियासत का अहंकार समाज में होने के अर्थ बदल रहा है। लोकतांत्रिक आस्था और जवाबदेही बदल रहा है।

हर बार गोल पोस्ट बदल रहा है। क्या वाकई नौ विधायक अब खेत जाएंगे या संविधान की पोथी में इस व्यवहार की कोई परिणति नहीं। क्या छह मुख्य संसदीय सचिवों की कुर्सी और सीट जाएगी या वक्त पर चढ़ी संशय की आकाश बेल सूख जाएगी। क्या अब मतदाता यह गिनना शुरू करे कि अगले पंद्रह विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव की जद में आ जाएंगे। मतदाता लोकतांत्रिक राहत और विश्वास में अपना और राज्य का भविष्य देखता है। कसूर छह जमा तीन उपचुनावों में धकेले गए घटनाक्रम का भी कम नहीं। अब तो कहां से शुरू और कहां खत्म करें से भी आगे निकल कर भी अगर सियासी गुरूर आगामी उपचुनावों के धनुष वाण लिए खड़ा है, तो हिमाचल के राजनीतिक पतन से कोई नहीं बचा सकता। आश्चर्य यह कि हर चुनाव और उपचुनाव की बागडोर ऐसे माहौल में तैयार होती है, जहां विद्वेष, नफरत और चारित्रिक गिरावट का कूड़ेदान फैसला करता है। आखिर कब हम युवा हिमाचल को संबोधित करेंगे। उन लोगों का सम्मान करेंगे जो राष्ट्रीय फलक पर उपलब्धियों का सेहरा पहनते हैं। देश में आज भी प्रतिष्ठित डाक्टर, इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल और सर्विस क्षेत्र में हिमाचली युवा नाम कमा रहे हैं, लेकिन उनसे अलग राजनीतिक और चुनाव की दुनिया बेरोजगार युवाओं को प्रचार से सहला रही है। क्या इन उपचुनावों या आशंकित उपचुनावों की वजह से राज्य आत्मनिर्भर होगा। क्या पौंग बांध विस्थापित देहरा उपचुनाव के टापू पर आकर पुनर्वासित हो जाएंगे। क्या नालागढ़ का उपचुनाव बीबीएन के औद्योगिक माहौल को सुधार देगा। क्या हमीरपुर उपचुनाव बिलासपुर गोलीकांड पर विचार विमर्श करेगा। काश ऐसा होता हुआ दिखाई दे, लेकिन अफसोस यह कि ये उपचुनाव अब अगले उपचुनावों के भय से हमारे सरोकारों का सुख चैन छीन रहे हैं।

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

'पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है।'

उमेश चतुर्वेदी

इस सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है?

1885 में एओ ूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली।

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है।

कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशः 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है।

चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है।

सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मयार्दा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी।

बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए। कहना न होगा कि विपक्ष अपने इस उद्देश्य में सफल रहा। अगर कांग्रेस का चुनावी लक्ष्य यही था तो उसका खुश होना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से वह बीजेपी की सीटें घटाने की लड़ाई में कामयाब रही है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस भूल गई है कि कार्यकताओं को जोड़े रखने के लिए सत्ता ही फेविकोल की भूमिका निभाती है। कांग्रेस लगातार दो कार्यकाल से सत्ता से बाहर है और तीसरी बार भी बाहर ही हो गई। अगर वह इसी तरह कमजोर प्रदर्शन करती रहेगी तो सत्ता उससे दूर रहेगी। सत्ता का शहद नहीं होगा तो मधुमक्खियां भी दूर ही रहेगी।

स्टार्टअप्स की घर वापसी

भारतीय स्टार्टअप क्यों फ्लिप कर गए : फ्लिप करने का पहला कारण यह है कि वे भारतीय नियामक प्रणाली, भारतीय कर कानूनों और भारतीय अधिकारियों की जांच से बचना चाहते थे। दूसरा कारण यह है कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निवेशक उन कंपनियों को विदेश में फ्लिप करने के लिए मजबूर करते हैं जहां वे अपना पैसा लगाते हैं। ज्यादातर, वे इन स्टार्टअप में निवेश करने से पहले इसे एक पूर्व शर्त के रूप में रखते हैं और चाहते हैं कि इन स्टार्टअप का डेटा और बौद्धिक संपदा विदेश में हो। तीसरा, अमेरिका, सिंगापुर जैसे कई देशों ने स्टार्टअप और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई अनुकूल नीतियां बनाई हैं, जैसे कि कॉपोर्रेट टैक्स की कम दर, स्थिर जीएसटी, शून्य पूंजीगत लाभ कर दर, दोहरे कर से बचाव संधियां आदि। चौथा, ये स्टार्टअप अपने शेयरों को विदेश में सूचीबद्ध करना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अभिनव विचारों को बेहतर मूल्यांकन मिलता है।

डा. अश्विनी महाजन

हाल ही में, ऐसी खबरें आई हैं कि कई भारतीय स्टार्टअप्स, जो पहले विदेशों में फ्लिप कर गए थे, अब भारत लौट रहे हैं, जिसे हम रिवर्स फ्लिपिंग कहते हैं। किसी भारतीय कंपनी के फ्लिपिंग का मतलब है एक ऐसा लेन-देन जिसमें प्रमोटर किसी विदेशी क्षेत्राधिकार में अपनी कंपनी को पंजीकृत करता है, जिसे फिर भारत में स्टार्टअप कंपनी की होल्डिंग कंपनी बना दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय स्टार्टअप का अंतिम स्वामित्व विदेशी क्षेत्राधिकार में चला जाता है। इसलिए रिवर्स फ्लिपिंग का मतलब है कि स्टार्टअप्स जिन्होंने अपनी मालिकाना कंपनियों को विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किया था, वे स्वामित्व को वापस भारत ला रहे हैं। हम इसे घर वापसी कह सकते हैं। यह वाकई एक अच्छी खबर है। जिन महत्वपूर्ण स्टार्टअप्स ने वापस फ्लिप किया है, उनमें फोनपे और ग्रो शामिल हैं। इनके अलावा, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने भी अपनी मूल इकाई को सिंगापुर से फिर से भारत में लाने के लिए बातचीत शुरू की है। जेप्टो और रेजर पे भी वापस फ्लिप करने की कोशिश कर रहे हैं। पाइन लैब्स को भी सिंगापुर स्थित इकाई के विलय के लिए सिंगापुर कोर्ट से मंजूरी मिल चुकी है। फ्लिप करने वालों के पसंदीदा गंतव्य सिंगापुर, मॉरीशस, केमैन आइलैंड और यूनाइटेड किंगडम थे। जबकि भारतीय स्टार्टअप फ्लिपिंग के माध्यम से भारत के विनियामक दायरे से बाहर हो गए थे, उन्होंने अब एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में रिवर्स फ्लिपिंग के माध्यम से भारतीय विनियामक ढांचे के तहत आना चुना है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसके कारणों और प्रभावों को समझने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि फ्लिप करने वाले स्टार्टअप वो हैं जिनके प्रमोटर भारत से हैं और उन्होंने भारतीय संसाधनों और सरकारी सहायता से अपना कारोबार खड़ा किया।

भारतीय स्टार्टअप क्यों फ्लिप कर गए : फ्लिप करने का पहला कारण यह है कि वे भारतीय नियामक प्रणाली, भारतीय कर कानूनों और भारतीय अधिकारियों की जांच से बचना चाहते थे। दूसरा कारण यह है कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निवेशक उन कंपनियों को विदेश में फ्लिप करने के लिए मजबूर करते हैं जहां वे अपना पैसा लगाते हैं। ज्यादातर, वे इन स्टार्टअप में निवेश करने से पहले इसे एक पूर्व शर्त के रूप में रखते हैं और चाहते हैं कि इन स्टार्टअप का डेटा और बौद्धिक संपदा विदेश में हो। तीसरा, अमेरिका, सिंगापुर जैसे कई देशों ने स्टार्टअप और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई अनुकूल नीतियां बनाई हैं, जैसे कि कॉपोर्रेट टैक्स की कम दर, स्थिर जीएसटी, शून्य पूंजीगत लाभ कर दर, दोहरे कर से बचाव संधियां आदि। चौथा, ये स्टार्टअप अपने शेयरों को विदेश में सूचीबद्ध करना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अभिनव विचारों को बेहतर मूल्यांकन मिलता है। स्पेशल पर्पस एक्विजिशन कंपनी (एसपीएसी) एक ऐसा मॉडल है जिसने कई स्टार्टअप को अपनी होल्डिंग कंपनियों को अमेरिका में सूचीबद्ध करने के लिए आकर्षित किया है। अंतिम कारण है कि, कराधान के मामले में भारतीय घरेलू निवेशकों के लिए समान अवसर की कमी थी, जिसके कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय निवेशकों की तुलना में ज्यादा लाभ उठाया।

फ्लिपिंग के क्या हैं नुकसान : भारत से कंपनियों के फ्लिपिंग का पहला और सबसे बड़ा नुकसान संपत्ति और आय पैदा करने वाली संपत्ति का है। जब कोई भारतीय कंपनी विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किसी कंपनी की सहायक कंपनी बन जाती है, या दूसरे शब्दों में, एक विदेशी कंपनी बन जाती है, तो सरकार न केवल पूंजीगत लाभ कर राजस्व का अवसर खो देती है, बल्कि स्टॉक एक्सचेंजों पर कंपनी की लिस्टिंग से संभावित पूंजी निर्माण से भी वंचित हो जाती है। दूसरा, देश की बौद्धिक संपदा विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाती है और डेटा पर अधिकार भी विदेशियों को मिल जाता है। गौरतलब है कि इन स्टार्टअप्स का कारोबार हर साल 100 से 200 प्रतिशत की दर से बढ़ता है और इस तरह ग्राहकों के महत्वपूर्ण डेटा की एक बड़ी मात्रा पर अधिकार विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाता है। बौद्धिक संपदा में भविष्य की वृद्धि और विस्तार के सभी लाभ भी विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाते हैं। तीसरा, फ्लिप करने वाले स्टार्टअप भारतीय कर क्षेत्राधिकार और अन्य विनियामक ढांचे से बाहर हो जाते हैं और इस तरह वे अपने भारतीय समकक्षों पर बढ़त हासिल कर लेते हैं। चौथा, चूंकि फ्लिप किए गए स्टार्टअप का मुख्यालय विदेश में होता है, इसलिए उनके फंड के स्रोत को जानना मुश्किल हो जाता है। यह देश के लिए एक बड़ा सुरक्षा जोखिम है। युद्ध जैसी स्थिति में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। पड़ोसी देशों से निवेश लेने से पहले अनुमति की शर्त फ्लिप किए गए स्टार्टअप पर लागू नहीं होती। पांचवां, हमारे स्टार्टअप के फ्लिप करने का नुकसान यह भी है कि इससे भारतीय शेयर बाजार की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

अब वे वापस क्यों लौट रहे हैं : सरकार का दावा है, और शायद यह सही भी है कि भारत की मजबूत वृद्धि घरेलू स्टार्टअप के रूप में रिवर्स फ्लिपिंग की प्रवृत्ति को जन्म दे रही है, जो कभी पूंजी तक पहुंच और कर लाभ के लिए विदेश जाते थे, अब घर लौट रहे हैं। विकास और तकनीकी विकास के साथ, कई अन्य कारण भी हैं, जो इस रिवर्स फ्लिपिंग को चलाते हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण कारण यह है कि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम ने पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिपक्वता प्राप्त की है। अब उद्यमियों के लिए अधिक सहायक वातावरण है, फंडिंग, प्रतिभा और बुनियादी ढांचे तक बेहतर पहुंच है। इस अवधि के दौरान सरकार द्वारा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और व्यापार करने में आसानी के लिए कई पहल की गई हैं।

अपनी ही धुन में मस्त रहना

चिंतन-मनन

हंसी कुछ ऊर्जा तुम्हारे अंतर्केंद्र से परिधि पर ले आती है। ऊर्जा हंसने के पीछे छाया की भांति बहने लगती है। तुमने कभी इस पर ध्यान दिया? जब तुम वास्तव में हंसते हो, तो उन थोड़े से क्षणों के लिए तुम एक गहन ध्यानपूर्ण अवस्था में होते हो। विचार प्रक्रिया रुक जाती है। हंसने के साथ-साथ विचार करना असंभव है। वे दोनों बातें बिलकुल विपरीत हैं या तो तुम हंस सकते हो या विचार ही कर सकते हो। यदि तुम वास्तव में हंसो तो विचार रुक जाता है।

यदि तुम अभी भी विचार कर रहे हो तो तुम्हारा हंसना थोथा और कमजोर होगा। वह हंसी अपंग होगी। जब तुम वास्तव में हंसते हो, तो अचानक मन विलीन हो जाता है। जहां तक मैं जानता हूं, नाचना और हंसना सर्वोत्तम, स्वाभाविक व सुगम द्वार हैं।

यदि सच में ही तुम नाचो, तो सोच-विचार रुक जाता है। तुम नाचते जाते हो, घूमते जाते हो और एक भंवर बन जाते हो, सब सीमाएं, सब विभाजन समाप्त हो जाते हैं। तुम्हें इतना भी पता नहीं रहता कि कहां तुम्हारा शरीर समाप्त होता है और कहां अस्तित्व शुरू होता है। तुम अस्तित्व में पिघल जाते हो और अस्तित्व तुममें पिघल आता है, सीमाएं एक-दूसरे में प्रवाहित हो जाती हैं और यदि तुम सच ही नाच रहे हो, उसे नियंत्रित नहीं कर रहे बल्कि उसे स्वयं को नियंत्रित कर लेने दे रहे हो। स्वयं को वशीभूत कर लेने दे रहे हो। यदि तुम नृत्य से वशीभूत हो जाओ, तो सोच-विचार रुक जाता है। हंसने के साथ भी ऐसा ही होता है। यदि तुम हंसी से आविष्ट और आच्छादित हो जाओ तो सोच-विचार रुक जाता है।

निर्विचार की दशा के लिए हंसना एक सुंदर भूमिका बन सकती है। हंसी ध्यान के लिए निर्देश-हर सुबह जब जागें, तो अपनी आंखें खोलने से पहले शरीर को बिल्ली की तरह तानें। तीन या चार मिनट बाद, आंखें बंद रखे हुए ही हंसना शुरू करें। पांच मिनट के लिए बस हंसें ही। पहले-पहले तो आप इसे सप्रयास करेंगे, लेकिन शीघ्र ही आपके प्रयास से पैदा की गई ध्वनि प्रामाणिक हंसी को जगा देगी। स्वयं को हंसी में खो दें। शायद इस घटना को वास्तव में घटने में कई दिन लग जाएं क्योंकि हम इससे बहुत अपरिचित हैं। परंतु शीघ्र ही यह सहज हो जाएगा और आपके पूरे दिन का गुण ही बदल जाएगा। हंसते हुए बुद्ध, जापान में हंसते हुए बुद्ध होतेई की एक कहानी है। उसका पूरा संदेश बस हंसना ही था। वह एक स्थान से दूसरे स्थान, एक बाजार से दूसरे बाजार घूमता रहता। वह बाजार के बीचोंबीच खड़ा हो जाता और हंसने लगता, यही उसका प्रवचन था।

उसकी हंसी सम्मोहक थी, संक्रामक थी, एक वास्तविक हंसी, जिससे पूरा पेट स्पंदित हो जाता, तरंगायित हो जाता। वह हंसते-हंसते जमीन पर लोटने लगता। जो लोग जमा होते, वे भी हंसने लगते और फिर तो हंसी फैल जाती, हंसी की तूफानी लहरें उठती और पूरा गांव हंसी से आप्लावित हो जाता। लोग राह देखते कि कब होतेई उनके गांव में आए क्योंकि वह अद्भुत आनंद और आशीष लेकर आता था। उसने कभी भी एक शब्द नहीं बोला, कभी भी नहीं। तुम बुद्ध के बारे में पूछो और वह हंसने लगता, तुम बुद्धत्व के बारे में पूछो और वह हंसने लगता, तुम सत्य के बारे में पूछते कि वह हंसने लगता। हंसना ही उसका एकमात्र संदेश था। वह तो सदा अपनी ही धुन में मस्त रहता था। उसे दुनिया से कुछ लेना-देना नहीं था। अगर हम भी ऐसी हंसी को अपने जीवन में धारण कर लें तो, सब झंझट ही खत्म। हंसने से शरीर में एक अलग ही ऊर्जा का आभास होता है और हम तरोताजा महसूस करते हैं।

आपके पत्र

लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा रखें

18वीं लोकसभा सत्र की शुरूआत नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण से शुरू हो गई। देश को उम्मीद है कि नवनिर्वाचित सदस्यों ने जो शपथ ली है, उस पर वो खरा उतरेंगे और हर संसद के सत्र में अपनी उचित भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। अबकी बार संसद में सत्ता पक्ष के सामने मजबूत विपक्ष भी है, इसलिए इस बार लोकसभा के सत्र में हंगामा कुछ ज्यादा होने के अवसर भी हैं।

इस सत्र में सत्ताधारी पार्टी को चाहिए कि वो बेवजह के ऐसे मुद्दे न उछाले जिससे विपक्ष खफा होकर हो-हल्ला कर सत्र का कीमती समय बर्बाद करे। साथ विपक्ष को भी चाहिए कि वो भी केंद्र की नीतियों के विरोध में बेवजह हो-हल्ला न करे। लोकतंत्र में सदन को ठीक ढंग से चलाना दोनों पक्षों का फर्ज होता है, इसलिए सभी को मयार्दा में रहना चाहिए।

-गजाधर, रांची

न्यूज फ्लैश

मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने महिला को मारी गोली, लूटपाट का कर रही थी विरोध

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

बेखौफ अपराधियों ने बेला औद्योगिक थाना क्षेत्र के बेला मोड़ के पास प्राइवेट कंपनी में काम करने वाली एक महिला को लूटपाट के दौरान विरोध करने पर गोली मार दी। अपराधियों ने महिला को तीन गोली मारी, जिसमें से महिला को एक गोली लगी है। गोली चलाने के बाद तीनों बाइक सवार बदमाश मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर बेला थाना पुलिस के साथ-साथ मिठनपुरा थाना पुलिस भी पहुंची और तहकीकात शुरू कर दी है।

घायल महिला की पहचान समृद्धि वर्मा के रूप में हुई है, जो आर्यन वर्मा की पत्नी बताई गई है। घायल अवस्था में महिला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर की निगरानी में उसका इलाज किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले पर जांच पड़ताल में जुटी है। बेला थानेदार रंजना वर्मा ने कहा कि अपराधियों ने सरेराह फायरिंग कर एक महिला को गोली मारी है। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस की टीम जांच पड़ताल कर रही है। महिला के बयान दर्ज कराने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

स्थानीय लोगों का कहना है दिनदहाड़े छिनतई करने के चक्कर में बदमाशों ने पहले महिला को रोकना चाहा और जब महिला नहीं रुकी, तो पहले अपराधियों ने हवा में गोली चलाई। फिर भी महिला भागने की कोशिश कर रही थी, तभी अपराधी ने महिला को पीछे से गोली मार दी। गोली मारने के बाद अपराधी बड़े आराम से भाग निकले। गोली चलने के बाद पूरे आसपास के इलाके में दहशत का माहौल हो गया है। अब देखना है कि पुलिस की टीम पूरे मामले में क्या कुछ कार्रवाई करती है।

भागलपुर में मूसलाधार बारिश, भीषण गर्मी से मिली राहत, सड़कों पर निकले लोग

भागलपुर, एजेंसी

भागलपुर के लोग पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान थे। लेकिन मंगलवार की दोपहर तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश ने लोगों को काफी राहत पहुंचाई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई, जिससे लोगों को राहत मिली है। लेकिन बारिश के कारण शहर के कई मोहल्ले और बाजार में पानी भी भर गया।

पिछले कुछ दिनों से गर्मी के कारण शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। लोग अपने घरों में ही कैद थे। कोई भी बिना आवश्यक काम के घर से बाहर नहीं निकल रहा था। लेकिन मंगलवार की दोपहर जब तेज हवाओं के साथ आसमान में बादल छाए तो लोगों को बारिश की उम्मीद जगी। इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हुई जो दोपहर करीब दो बजे बारिश में बदल गई। करीब एक घंटे तक हुई बारिश के कारण वातावरण में ठंडक महसूस होने लगी और बारिश के बाद लोग सुहाने मौसम का आनंद लेने के लिए घरों से बाहर निकल आए।

बारिश के बाद घर से बाहर निकल बच्चे पानी से खेलने लगे, वहीं कुछ लोग अपने घरों की छतों पर बैठकर बारिश के बाद के मौसम का आनंद लेते नजर आए। इस दौरान गर्मी से परेशान इंसान के साथ-साथ पशु भी बारिश का लुफ्त उठाते दिखे। किसानों का बारिश का सबसे अधिक इंतजार था। उन्हें भी इस वर्षा से राहत मिली है।

स्वास्थ्य अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त करें : डीएम

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा डीएम सुब्रत कुमार सेन ने की। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट एवं सराहनीय उपलब्धि हासिल करनेवाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। न्यूनतम उपलब्धि हासिल करनेवालों से इसका कारण भी पूछा। उन्होंने पूर्ण टीकाकरण की समीक्षा की। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को ड्यू लिस्ट व सेशन साइट के अनुरूप शत-प्रतिशत बच्चों को टीकाकरण करने के निर्देश दिये। डीएम ने परिवार नियोजन, जननी बाल सुरक्षा, प्रसव पूर्व जांच, ओपीडी, आइपीडी, संस्थागत प्रसव, एंबुलेंस, दवा की उपलब्धता, एइएस संबंधित किये जा रहे कार्य तथा डेंगू से बचाव आदि की समीक्षा भी की। डीएम ने सिविल सर्जन को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र भ्रमण करने, मॉनीटरिंग करने व अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य में सुधार लाने का निर्देश दिया। अस्पतालों में प्रसव पूर्व जांच परीक्षण तथा कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने हेतु सभी पीएचसी की समीक्षा की। कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें अस्पताल लाने व स्वास्थ्य में सुधार लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बैठक में मुरौल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा 150 प्रतिशत की सराहनीय उपलब्धि प्राप्त करने पर अन्य एमओआईसी को अपने अनुभव एवं कार्य के बारे में बताने को कहा। बैठक में उप विकास आयुक्त आशुतोष द्विवेदी, डॉ। आकांक्षा आनंद, सिविल सर्जन डॉ। अजय कुमार, जिला वीबीडी नियंत्रण पदाधिकारी सह एसीएमओ डॉ। सतीश कुमार, डीपीओ चॉदनी सिंह, डीपीएम जीविका अनीशा गांगुली, व सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थे। गर्भवतियों की सेहत का रखें ख्याल, उनकी रिपोटिंग भी हो- डीपीओ, आइसीडीएस को सीडीपीओ के कार्य की समीक्षा करते हुए प्रसव पूर्व जांच परीक्षण, कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने तथा शत-प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपेक्षित कार्रवाई करने के निर्देश दिये। साथ ही गर्भवतियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उनके हीमोग्लोबिन, शुगर, बीपी व अन्य संबंधित जांच करने व इसकी रिपोर्टिंग करने की बात डीएम ने कही। अस्पतालों में ही संस्थागत प्रसव कराने के लिए आशा कार्यकर्ता को समन्वय स्थापित कर प्रगति लाने के निर्देश दिये। कटरा में टीकाकरण सबसे ज्यादा हुआ समीक्षा में पाया कि कुढ़नी में 72 प्रतिशत, मुशहरी ग्रामीण में 72, पारू में 72, सरैया में 74, सकरा में 78, बंदरा में 77, मुरौल में 74 प्रतिशत, मीनापुर में 82, बोचहां में 82, अघोरिया बाजार में 58, मोतीपुर में 92 व कटरा में 94 प्रतिशत टीकाकरण हुआ है। डीएम ने डीआइओ को भ्रमण करने व लगातार मॉनीटरिंग करने को कहा। उन्होंने सीएस को कुढ़नी, मुशहरी, पारू, सरैया, बन्दरा के एमओआईसी, बीएचएम व सीडीपीओ से कम टीकाकरण करने पर जवाब तलब करने को कहा। ओपीडी की समीक्षा में कुढ़नी में 42 प्रतिशत, सरैया में 35, मुशहरी में 41, कांटी में 54 प्रतिशत, पारू में 55, बोचहां में 44, साहेबगंज में 50, बंदरा में 86 व मुरौल में 150 प्रतिशत हुआ है।

चिराग पासवान ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- हार के डर से दलित कार्ड खेलती है कांग्रेस

पटना, एजेंसी

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। चिराग ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष पर दलितों का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जब अपनी हार सुनिश्चित लगती है है तो वह दलितों का सहारा लेती है। संसद में उनके पास संख्या नहीं है, फिर भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया है। चिराग पासवान ने सोशल मीडिया पर अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा कि जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को लगता है कि उनकी हार अब निश्चित है, तो वे दलित कार्ड खेल देते हैं। 2002 में जब उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति का चुनाव हार रहे हैं, तो उन्होंने सुशील कुमार शिंदे जी को उम्मीदवार घोषित किया था। इसी तरह 2017 में जब उन्हें पता था कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं, तो उन्होंने मीरा कुमार जी को नामांकित किया। अब जब उनके पास 2024 में लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए स्पष्ट रूप से उनके पास संख्या बल नहीं है, तो वे कांग्रेस के दलित नेता के। सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं। चिराग पासवान ने सवाल उठाया कि विपक्ष के लिए क्या दलित नेता केवल और केवल प्रतीकात्मक उम्मीदवार हैं? लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति न बन सकी। जिसके बाद विपक्ष की ओर से कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।

नीट पेपर लीक मामले में आरोपितों को नहीं मिली जिला कोर्ट से राहत

जज ने कहा-सीबीआई की विशेष अदालत जाएं

पटना, एजेंसी

नीट पेपर लीक मामले में मंगलवार को पटना में सुनवाई हुई। एडीजे-5 की अदालत में सभी 13 आरोपियो की जमानत याचिका के साथ संजीव मुखिया की तरफ से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि अब इस मामले में सभी तरह की सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत में ही होगी।

कोर्ट ने पब्लिक प्रॉसिक्यूटर को कहा कि यह केस अब केंद्रीय जांच एजेंसी के पास चली गई है। लिहाजा इसकी जानकारी ऑर्डर पेपर के साथ अदालत को दें। कोर्ट ने ये भी कहा कि अब इस मामले की सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत ही करेगी। वहीं कोर्ट पीपी को कहा गया कि नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई अब सीबीआई के पास चली गई है। अब इस मामले की सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत ही करेगी।

इस संबंध में अधिवक्ता उदय शंकर सिंह ने कहा कि दो आवेदक जिनकी संख्या 1668 24 अखिलेश कुमार और 1078 आयुष के बेल आवेदन को अधिवक्ता के द्वारा विड्रॉल के लिए अभियोजन आवेदन दिया है। वहीं मुख्य आरोपी संजीव मुखिया के अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई 15 जुलाई को होगी। सुनवाई अब सीबीआई की विशेष अदालत में होगी। जब कोर्ट में लेटर प्राप्त हो जाएगा उसके बाद इस केस को सीबीआई की विशेष अदालत में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। उसके बाद इस केस की सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत में की जाएगी।

पांच मई को पटना के शास्त्री नगर थाने में नीट पेपर लीक मामले में 12 पुरुष एक महिला समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद लगातार इन लोगों के निशानदेही पर कई अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। इसके बाद इन लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं इस मामले की जांच आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। इसके बाद ईओयू के द्वारा कई आरोपियों को बिहार और झारखंड से गिरफ्तार किया गया। वहीं अब इस मामले की जांच सीबीआई करेगी। शास्त्री नगर थाने में दर्ज फिर 358/ 24 में संजीव मुखिया का भी नाम सामने आया था जिसके बाद संजीव मुखिया ने कोर्ट से नो क्रोसिव आदेश प्राप्त कर लिया। जिसमें इस आदेश में कहा गया कि इस कांड संख्या में संजीव मुखिया की गिरफ्तारी नहीं की जा सकती है। लेकिन आर्थिक अपराध इकाई की जांच में संजीव मुखिया का नाम बार-बार सामने आया।

पटरी पर लौटी सिवान समस्तीपुर पैसेंजर ट्रेन, 15 रुपये में हाजीपुर से मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

सिवान-समस्तीपुर पैसेंजर ट्रेन का परिचालन एक बार फिर से शुरू हो गया है। कोराना काल में इस ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया गया था। लंबे अंतराल के बाद इस ट्रेन के पटरी पर लौटने से यात्रियों में खुशी है। बहुत दिनों से इस ट्रेन का परिचालन शुरू करने की लगातार मांग की जा रही थी। रेलवे बोर्ड की ओर से परिचालन की अनुमति के बाद विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेन के पहुंचते ही लोगों ने दुल्हन की तरह इसका स्वागत किया। पहले दिन सफर करने वाले यात्री भी यह दृश्य देख गदगद नजर आ रहे थे।

एक हजार यात्रियों ने किया सफर

10 कोच वाली इस ट्रेन में प्रतिदिन दो हजार यात्री सफर कर सकेंगे। पहले दिन करीब एक हजार यात्रियों ने सफर किया। इसका किराया इतना सस्ता है कि महज 10 रुपये के टिकट पर डाउन में मुजफ्फरपुर से कपूरींग्राम तो अप में सराय तक की यात्रा कर सकेंगे। हाजीपुर से मुजफ्फरपुर आने के लिए बस में जहां 100-150 रुपये किराया देना पड़ता था, अब मात्र 15 रुपये खर्च कर इस ट्रेन से आरामदायक यात्रा होगी। इधर, समस्तीपुर तक भी आप 15 रुपये में ही चले जाएंगे।

छोटे-छोटे स्टेशनों की लौटी रौनक

कोरोना काल के बाद एक तरह से वीरान पड़े दुबहा, सिहो, सिलौत व नारायणपुर अनंत रेलवे स्टेशनों की रौनक लौट गई है। कोरोना काल से पूर्व तक इन स्टेशनों पर रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस का भी ठहराव था। मुजफ्फरपुर-सियालदह फास्ट पैसेंजर चलती थी, किंतु दोबारा यह सुविधा नहीं बहाल की गई। सुबह-शाम एक जोड़ी ट्रेन के बाद दिनभर इन स्टेशनों पर सन्नाटा पसरा रहता था। निकट में रेलवे स्टेशन रहने के बाद भी आसपास के लोगों के सामने बस-आटो के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। स्टेशन के निकटवर्ती दुकानदारों का कारोबार चौपट हो गया था, क्योंकि ट्रेन चलने से ही बाजार में लोगों का आना-जाना लगा रहता था।

ये है टाइम टेबल

55122 सिवान-समस्तीपुर इंटरसिटी पैसेंजर सिवान से सुबह चार बजे खुलकर 05:40 बजे छपरा, 08:30 बजे सोनपुर, 08:42 बजे हाजीपुर, 10:40 बजे मुजफ्फरपुर रुकते हुए 12:30 बजे समस्तीपुर और वापसी में गाड़ी संख्या- 55121 समस्तीपुर-सिवान पैसेंजर ट्रेन समस्तीपुर से 16:00 बजे खुलकर 17:35 बजे मुजफ्फरपुर, 19:20 बजे हाजीपुर, 19:35 बजे सोनपुर एवं 21:45 बजे छपरा रुकते हुए 23:45 बजे सिवान पहुंचेगी।

इन स्टेशन और हाल्टों पर भी रुकेगी

अप एवं डाउन दिशा में यह पैसेंजर ट्रेन पचरूखी, दुरौंधा, चैनवा, महेन्द्रनाथ हाल्ट, एकमा, दाउदपुर, कोपासमहोता, टेकनिवास, छपरा, छपरा कचहरी, गोल्डेनगंज, डुमरी जुआरा, बड़ा गोपाल, पंचपतिया देओरिया हाल्ट, अवतार नगर, दिघवारा, शीतलपुर, नयागांव, परमानंदपुर, सोनपुर, हाजीपुर, घोसवर, सराय, बिथौली, भगवानपुर, बेनीपती पिरापुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की, रामदयालुनगर, मुजफ्फरपुर, नारायणपुर अनंत, सिलौत, सिहो, ढोली, दुबहा, खुदीराम बोस पूसा एवं कपूरींग्राम स्टेशनों पर रुकेगी।

बिहार में कहर बरपा रही आकाशीय बिजली, छह लोगों की मौत, तीन घायल

3 गंभीर रूप से झुलसे

बेतिया, एजेंसी

आकाशीय बिजली गिरने से बेतिया में एक महिला की मौत हो गई है और एक तीन वर्षीय बच्ची झुलस गई है। बताया जा रहा है कि महिला अपने घर के बाहर खड़ी थी। तभी बारिश होने लगी और घर पर ही ठनका गिर गया, जिससे महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं एक 3 वर्षीय बच्ची झुलस गई, जिसका इलाज बेतिया जीएमसीएच में चल रहा है।

ठनका गिरने से महिला की मौतः घटना जिले के कंगली थाना क्षेत्र के सेनुवरिया गांव की है, जहां ठनका गिरने से एक 22 वर्षीय महिला की मौत हो गई है और एक तीन वर्षीय बच्ची भी झुलस गई है। बताया जाता है कि सुबह बारिश होने के दौरान घर पर ही ठनका गिर गया। इसमें महिला और महिला की बहन की तीन वर्षीय बेटी झुलस गए।

तीन साल की बच्ची झुलसीः आनन फानन में दोनों को सिकटा पीएससी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं बच्ची की हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया है, जहां उसका उपचार जारी है।

1 महीने पहले मायके आई थी महिलाः वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर बेतिया जीएमसीएच में पोस्टमार्टम कराया है और परिजनों को शव सौंप दिया है। मृत महिला की पहचान शिकारपुर थाना क्षेत्र के राजपुर मठिया बरही टोला निवासी मंतोष साह की 22 वर्षीय पत्नी ममता देवी के रूप में हुई है। मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। महिला का एक 6 महीने का बच्चा भी है। महिला अपने मायके एक महीने पहले आई हुई थी।

अबतक 6 लोगों की मौतः मोतिहारी के तुरकौलिया में आकाशीय बिजली के चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। चरगाहा पंचायत के वार्ड नंबर चार स्थित परशुरामपुर गांव का निवासी किशोर खेत में धान का बिचड़ा उखाड़ने गया था। वहीं रोहतास में भी आकाशीय बिजली ने एक की जान ले ली। बक्सर में 3 की मौत हुई है। जिले के सोनवर्षा ओपी के मणिया और सारा में आंधी-पानी में आम चुनने के दौरान वज्रपात की चपेट में आकर दो बच्चों व एक युवक की मौत हो गई। साथ ही दो बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए।

मृतकों की पहचान सारा गांव निवासी मिथिलेश साह के पुत्र प्रिंस कुमार (12 वर्ष) और धर्म देव राम के पुत्र अंगद कुमार (19 वर्ष) तथा मणिया गांव अपनी ननिहाल आए थे।

पर्ची काटने में देरी हुई तो कर्मी से उलझे मरीज

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

सदर अस्पताल में सोमवार को एक ओर जहां पर्ची कटाने के लिए मरीज व गार्ड में बकझक हो गयी, तो वहीं दूसरी ओर कतार में लगे मरीज काउंटर पर पर्ची काट रहे कर्मचारी से भिड़ गये। अधिक गर्मी होने से मरीज व परिजन का आरोप था कि एक पर्ची काटने में कर्मचारी पांच से सात मिनट लगा दे रहे हैं। ऐसे में बीमार की तबीयत और बिगड़ जा रही है। मरीजों ने पर्ची काटने में देरी को लेकर काउंटर पर चढ़कर कर्मी से उलझ गये। हालांकि गार्ड के बीच बचाव के बाद मरीज काउंटर से नीचे उतर गये। इस बीच ओपीडी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मरीज बरामदे से नीचे उतर गये। हंगामा देख पूछताछ काउंटर पर खड़ी एएनएम ने समझा कर शांत कराया। हालांकि इस दौरान करीब आधे घंटे तक पर्ची काउंटर भी बंद कर दिया गया। मरीज को कहना था कि गार्ड के कारण ही बीच में से कतार में घुसकर मरीज पर्ची कटा लेते हैं। इसकी वजह से कतार लंबी होती जाती है और जो जहां है वहीं खड़ा रह जाते हैं। अखाड़ाघाट के रहनेवाले अमन साह कतार में लगे हुए थे। लेकिन यह आगे नहीं बढ़ रही थी। जब उन्होंने पर्ची काट रहे कर्मचारी से जल्दी-जल्दी पर्ची काटने की बात कही तो कर्मचारी ने कहा-खुद आकर काट लो। इसी बात पर बहस शुरू हो गयी। कुछ ही देर में सभी लाइन में लगे मरीज काउंटर पर चढ़कर हंगामा करने लगे। हालांकि इस दौरान अन्य मरीज जो कतार में लगे थे, उन्होंने भी विरोध जताना शुरू कर दिया। इसके बाद गार्ड ने हस्तक्षेप किया और मामला शांत हुआ।

तेजस्वी यादव को सम्राट चौधरी का करारा जवाब, बोले

लालू प्रसाद बिहार में गुंडागर्दी के प्रतीक

पटना, एजेंसी

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा था। जिसको लेकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली से पटना पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेजस्वी को अपने पिता लालू यादव से सवाल पूछना चाहिए, क्योंकि लालू-राबड़ी शासनकाल में मुख्यमंत्री आवास से रंगदारी वसूली जाती थी।

'पहले सीएम आवास से गुंडागर्दी होती थी': सम्राट चौधरी ने मीडिया के सामने कहा कि उन्हें याद नहीं है कि जब लालू जी का राज था तो मुख्यमंत्री आवास से गुंडागर्दी होती थी और रंगदारी वसूली जाती थी। इतना ही नहीं लालू जी ही पंचायती भी करते थे। ऐसे लोग आज कुछ से कुछ बोल रहे है। लालू जी तो खुद बिहार में गुंडा राज के प्रतीक है।

'विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं': वहीं, उसम्राट चौधरी ने तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों के पास अब कोई मुद्दा नहीं है। जनता ने इन्हें सबक सिखा दिया है। इसलिए कुछ से कुछ बोलते रहते है। जनता सब जानती है कि ये किस तरह के भ्रम को फैलाने का काम कर रहे है। बिहार सरकार अपना काम कर रही है। इनको अपने गिरेबान में झांक कर ही कुछ बोलना चाहिए।

केस सीबीआई को सौंप दियाः इसके अलावा उपमुख्यमंत्री ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी होंगे, उन पर कारवाई होगी। अब मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है। जो भी इस मामले में शामिल है वो अब बचेंगे नहीं।

पीएम मोदी पर साधा निशानाः बता दें कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा है। ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, आपके पावन मुखारविंद से बिहार में दिन दुगुनी रात चौगुनी वृद्धि कर रहे रिकॉर्डतोड़ अपराध पर दो शब्द निंदा की अपेक्षा है। वैसे भी सभी न्यायप्रिय एवं विवेकशील बिहारी कहते हैं कि आपको चुनाव के वक्त ही जंगलराज के जंगली सपने आते हैं। आपकी जानकारी और संज्ञान के लिए **2-3** दिन की आपराधिक घटनाओं की दर्दनाक अल्प सूची सांझा कर रहा हूं।

बीमा भारती के पति और पुत्र के खिलाफ हत्या का केस दर्ज, गिरफ्तारी के निर्देश

पूर्णिया, एजेंसी

अदालत ने गोपाल यदुका हत्याकांड में रुपौली की पूर्व विधायक बीमा भारती के पति एवं पुत्र के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। जिसके बाद पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। हालांकि अभी तक दोनों पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं।

संलिप्तता स्पष्ट है': पूरे मामले की जानकारी देते हुए पूर्णिया के एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि अभी तक जो जांच हुई है उसमें अवधेश मंडल और राजा मंडल के शामिल होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। इसलिए ही तो इन लोगों का गिरफ्तारी वारंट भी जारी हुआ है। दोनों अभियुक्तों की तलाश तेज कर दी गयी है।

2 जून को हुई थी दिनदहाड़े हत्याः बता दें कि पूर्णिया के भवानीपुर में अपराधियों ने 2 जून को दिनदहाड़े व्यवसायी गोपाल यदुका की हत्या गोली मार कर दी थी। इस मामले में पुलिस शूटर विशाल को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।इसके अलावा इस हत्याकांड के मास्टरमाइंड कहे जा रहे जमीन ब्रोकर संजय भगत को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

राजा मंडल पर 5 लाख की सुपारी देने का आरोपः इस हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस की टीम ने दावा किया था कि जांच में ये बात सामने आई है कि बीमा भारती के बेटे राजा मंडल ने हत्या के लिए 5 लाख की सुपारी दी थी, साथ ही हत्या के लिए हथियार भी मुहैया कराए थे। राजा मंडल की गिरफ्तारी के लिए राजधानी पटना में भी बीमा भारती के आवास पर छापेमारी की थी। हालांकि वहां राजा मंडल नहीं मिला था।

मुश्किल में बीमा भारतीः बीमा भारती ने अभी हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में पूर्णिया लोकसभा सीट से आरजेडी कैंडिडेट के रूप में चुनाव लड़ा था। हालांकि बीमा भारती तीसरे नंबर पर रही थीं। इससे पहले उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए जेडीयू के साथ-साथ विधायक पद से भी इस्तीफा दे दिया था। बीमा भारती ने 2020 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू के टिकट पर रुपौली विधानसभा से चुनाव जीता था। बीमा भारती के पति अवधेश मंडल का आपराधिक इतिहास रहा है और इस केस में पति के साथ-साथ पुत्र राजा मंडल का नाम भी जुड़ गया है।

एसआईए को बाबर कादरी हत्याकांड में मिली बड़ी सफलता, अलगाववादी नेता मियां कय्यूम गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अधिवक्ता बाबर कादरी की हत्या के सिलसिले में वरिष्ठ अधिवक्ता और अलगाववादी नेता मियां कय्यूम को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मंगलवार को मियां कय्यूम की गिरफ्तारी की। उन्होंने कहा कि सितंबर 2020 में हुए हाई-प्रोफाइल हत्याकांड की जांच में यह बड़ी सफलता है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। कश्मीर में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में कई कार्यकालों तक अपनी सेवाएं दे चुके कय्यूम को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत तिहाड़ जेल में रखा गया था। वह 4 अगस्त, 2019 से अगस्त 2020 तक हिरासत में थे। मुखर वकील और सामाजिक कार्यकर्ता बाबर कादरी की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था। कादरी की 24 सितंबर, 2020 को श्रीनगर में उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। इस घटना की काफी निंदा हुई थी। उन्होंने अपनी हत्या से तीन दिन पहले अपनी जान को खतरा होने की बात कही थी। वह कय्यूम की आलोचना के लिए जाने जाते थे। 24 अगस्त, 2022 को, श्रीनगर पुलिस ने कादरी की हत्या की जांच के सिलसिले में कय्यूम सहित तीन वकीलों के आवासों पर छापेमारी की थी। विशेष पुलिस टीम ने अगस्त 2021 में कादरी की हत्या के सिलसिले में पांच संदिग्धों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किए थे। बाद में सुरक्षा बलों ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के मुख्य कमांडर अब्बास शेख और उसके डिप्टी साकिब मंजूर को मार गिराया था। पुलिस ने दावा किया था कि अब्बास शेख वकील कादरी की हत्या में शामिल था।

सनातन धर्म टिप्पणी मामले में उदयनिधि स्टालिन को मिली सशर्त जमानत

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु की 42वीं एसीएमएम कोर्ट ने तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन को सनातन धर्म के बारे में अपमानजनक बयान देने के मामले में सशर्त जमानत दे दी है। कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन को सामाजिक कार्यकर्ता परमेश द्वारा दायर याचिका के आधार पर नोटिस जारी किया था। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी। अदालत ने उदयनिधि स्टालिन के वकील की दलील पर विचार करने के बाद उन्हें अदालत में 8 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी। साथ ही उदयनिधि स्टालिन को एक लाख रुपये के मुचलके पर सशर्त जमानत भी दी। पिछले साल 4 सितंबर को चेन्नई के थेनमपेट में आयोजित एक कार्यक्रम में उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। बता दें कि उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के बाद अलग-अलग राज्यों में कई मामले दर्ज किए गए। ऐसे में उदयनिधि स्टालिन को अलग-अलग अदालतों में पेश होने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने सनातन धर्म पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों के सभी मामलों को एक साथ जोड़ने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रूख किया। उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्य सरकारों और शिकायतकर्ताओं से जवाब मांगा था। उदयनिधि स्टालिन एक प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम के स्टालिन के बेटे हैं।

असम में विकराल बाढ़ से मौत का आंकड़ा बढ़ा मृतकों की संख्या 30 तक पहुंची

गुवाहाटी, एजेंसी

असम में बाढ़ की स्थिति पिछले दिन की तुलना में धीरे-धीरे बेहतर हो रही है। इस बीच, कल बाढ़ में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक कछार जिले का है। इस साल बाढ़ के कारण अब तक मरने वालों की संख्या 30 हो गई है। राज्य में बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। हालांकि, राज्य के नौ जिले अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। असम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, असम के नौ जिले कामरूप, गोलपारा, बोंगाईगांव, करीमगंज, कछार, दरंग, नागांव, बारपेटा और होजाई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। असम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, असम के नौ जिले कामरूप, गोलपारा, बोंगाईगांव, करीमगंज, कछार, दरंग, नागांव, बारपेटा और होजाई जिलों के 641 गांव अभी भी बाढ़ में डूबे हुए हैं। करीमगंज जिले में सबसे ज्यादा 244 गांव हैं और कामरूप जिले में 239 गांव हैं। असम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार बाढ़ से अभी भी 96,440 लोग प्रभावित हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि बाढ़ का असर कुछ कम तो हुआ है, लेकिन बाढ़ प्रभावित लोग अभी भी राज्य के 140 आश्रय शिविरों में शरण लिए हुए हैं। इनमें से ज्यादातर आश्रय शिविर करीमगंज जिले में हैं। बाढ़ प्रभावित लोग करीमगंज जिले में 105 आश्रय शिविरों में शरण लिए हुए हैं। गौरतलब है कि बाढ़ के बाद जगह-जगह विभिन्न संक्रामक रोगों का प्रकोप देखने को मिला है। कई जगहों पर खराब सड़कों और बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुलों के कारण यातायात बाधित हुआ है।

पति को धोखा देकर पत्नी ने रचाई दूसरी शादी, बच्चा लेकर भागी विदेश

हैदराबाद, सूत्रकार

एक पिता चाहता है कि सरकार उसके बेटे को भारत वापस लाने के लिए कदम उठाए, क्योंकि उसकी पत्नी ने किसी और से शादी कर ली है और उसके बेटे को बांग्लादेश ले गई। मजदूरी करने वाला पीड़ित शख्स ने बेटे को वापस लाने के लिए पैसे खर्च करने के साथ ही काफी प्रयास किया। आखिर में उसने केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय से गुहार लगाई है। पीड़ित तिरुपति विकाराबाद जिले के चौधापुर मंडल के लिंगापुर गांव का रहने वाला है। वह मुंबई में निर्माण मजदूर के रूप में काम करता था। 2016 में वहां रिया नाम की महिला से उसका परिचय हुआ। फिर वह उससे प्यार करने लगा और शादी कर ली। 2017 में उनके बेटे विशाल का जन्म हुआ। जब तिरुपति काम के लिए अपने गृहनगर आया, तो रिया ने दूसरे आदमी से शादी कर ली। तिरुपति के अनुसार जब उसे मामले के बारे में पता चला, तो वह मुंबई गया। रिया ने कहा कि वह उसके बेटे को ले जाए। फिर वह विशाल को हैदराबाद के बालापुर ले आया और उसका दाखिला एक सरकारी स्कूल में करा दिया। 2022 में रिया ने तिरुपति को फोन करके कहा कि उसे अपने बेटे की याद आ रही है और वह उसे एक बार देखना चाहती है। जब वह अपने बेटे के साथ रिया से मिलने मुंबई गया तो रिया के पति और अन्य लोगों ने तिरुपति पर हमला कर दिया। फिर वह अपने पांच साल के बेटे के साथ गायब हो गई। उसने पुलिस में शिकायत की लेकिन उसका बेटा नहीं मिला। जानकार लोगों से पूछताछ में पता चला कि रिया बांग्लादेश के जेसोर में है और वह अपने बेटे को वहीं लेकर गई है।

हरिद्वार के स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप, एमआरआई के लिए भर्ती मरीज ने की आत्महत्या

हरिद्वार, एजेंसी

जिले के स्वास्थ्य विभाग में तब हड़कंप मच गया, जब एक दिन पहले हॉस्पिटल में भर्ती हुए मरीज ने अपने आप को मौत के गले लगा दिया। मामला संज्ञान में आने पर स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मामला हरिद्वार धर्मनगरी शहर कोतवाली से जुड़ा था। यहां मेला अस्पताल में तरुण नाम के 24 वर्षीय युवक को एमआरआई के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बिलकेश्वर वाल्मीकि बस्ती निवासी तरुण को मेला अस्पताल में एमआरआई के लिए सोमवार को भर्ती कराया गया था। भर्ती होने के दौरान युवक ने आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस के अनुसार तरुण ने मंगलवार को अस्पताल की छत से छलांग लगा ली। चोट लगने से उसकी मौत हो गई। हरिद्वार सीएमओ मनीष दत्त ने बताया की मामला संज्ञान में आया है। अभी मामले की जांच चल रही है। बताया गया है कि कल भर्ती हुई युवक ने अस्पताल में आत्महत्या कर ली है। इसकी सूचना पुलिस को भी दे दी गई है, बाकी जो भी तथ्य होगा वह सामने आकर ही पता चल पाएगा।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में अलग केंद्र शासित प्रदेश की मांग तेज

हजारों लोगों ने सड़कों पर उतर किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी

सैकड़ों आदिवासी कुकी-जो लोग समुदाय के लिए एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) और राज्य के भीतर चल रहे जातीय संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक ‘राजनीतिक समाधान’ की मांग को लेकर मणिपुर के पहाड़ी जिलों में सड़कों पर उतर आए। विरोध का नेतृत्व इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 239ए के तहत विधायिका के साथ यूटी का गठन संघर्ष का समाधान हो सकता है। प्रदर्शनकारियों ने चल रहे संघर्ष को रोकने के लिए केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 221 लोगों की मौत हो गई और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। आदिवासी समूह ने एक ज्ञापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित

शाह से राजनीतिक समाधान के लिए उनकी मांगों को शीघ्र पूरा करने के लिए भी कहा। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर नो पॉलिटिकल सॉल्यूशन, नो पीस, कुकी-जो लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश, मीतेईस के साथ जबरन गठबंधन टिकेगा नहीं, और हम अनुच्छेद 239ए के तहत यूटी चाहते हैं जैसे कई नारे लिखे हुए थे। इसी तरह की रैलियां उसी दिन कांगपोकपी, तेंगनौपाल और फि रजॉल जिलों में भी आयोजित की गईं। आदिवासी निकायों के एक प्रमुख समूह आईटीएलएफ ने कहा कि सरकार को साल भर चले जातीय संघर्ष का राजनीतिक समाधान खोजने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए, जिसने राज्य को प्रभावित किया है। संगठन ने कहा कि हत्याओं और विस्थापन के एक साल से अधिक समय के बाद, सुरक्षा स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, नागरिकों को हर दिन मारे जाने का खतरा है। पिछले कुछ हफ्तों में, जिरीबाम जिले में मैतेई बदमाशों ने दो आदिवासियों की हत्या कर दी। एक अन्य का अपहरण कर लिया गया, और उसका ठिकाना अभी भी अज्ञात है।

परीक्षा पेपर लीक मामला

सीएम योगी ने इस पर अंकुश लगाने के लिए कड़े नए कानून को मंजूरी दी

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक कड़े नए कानून को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को एक कैबिनेट बैठक के दौरान, राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 पेश करने का प्रस्ताव पारित किया। इस अध्यादेश का उद्देश्य परीक्षा पत्र लीक करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए गंभीर दंड लागू करना है। इस नए कानून के तहत न्यूनतम दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, अपराधियों को 1 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना भी भरना पड़ेगा। कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 की शुरुआत भी शामिल थी, जो लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कानून लागू करने के वादे को दर्शाता है। राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कई अनियमितताएं देखी गई हैं, विशेष रूप से कांस्टेबल भर्ती और समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने का मामला शामिल है। इन घटनाओं ने न सिर्फ पूरे सिस्टम की ईमानदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत भी बेकार कर दी है। परिणामस्वरूप इन परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए जिम्मेदार संस्थान भी जांच के दायरे में आ गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक के मामले को काफी गंभीरता से लेते हुए फुलप्रूफ परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था और कानून बनाने का निर्देश दिया है। एक महत्वपूर्ण भर्ती अभियान में, रिजर्व सिविल पुलिस में 60,244 पदों को भरने के लिए 4.8 मिलियन से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए। हालाँकि, 18 और 19 फरवरी को आयोजित लिखित परीक्षा में समझौता हो गया, जिसके कारण लोकसभा चुनाव से पहले 24 फरवरी को इसे रद्द कर दिया गया।

सत्येंद्र जैन को झटका

सुप्रीम कोर्ट का जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में डिफॉल्ट जमानत से संबंधित सत्येंद्र जैन की याचिका पर फैसला करने का काम दिल्ली हाईकोर्ट पर छोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि जमानत की अर्जी को अनावश्यक रूप से स्थगित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की खंडपीठ ने कहा कि जमानत मामलों को अनावश्यक रूप से स्थगित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट से अगली सुनवाई की तारीख पर जैन की याचिका पर फैसला करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट 28 मई को पारित हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ जैन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें नोटिस जारी करते हुए उनकी डिफॉल्ट जमानत याचिका को 9 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने कहा कि उनका मुवक्किल स्थगन आदेश को चुनौती दी है।

चार दिन से भूख हड़ताल पर बैठीं मंत्री आतिशी की तबीयत बिगड़ी, एलएनजेपी हॉस्पिटल में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली को उसके हक का पानी दिलाने के लिए भोगल में अनिश्चितकालीन पानी सत्याग्रह पर बैठी जल मंत्री आतिशी की तबीयत आज मंगलवार तड़के बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनशन के चौथे दिन सोमवार को लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल एलएनजेपी के डॉक्टरों ने आतिशी के स्वास्थ्य की जांच की थी। उनके स्वास्थ्य में भारी गिरावट को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने भर्ती होने से इनकार कर दिया था।

सोमवार देर रात आतिशी का ब्लड शुगर लेवल 43 और मंगलवार सुबह 3 बजे 36 तक गिर गया, जिसके बाद एलएनजेपी अस्पताल के

डॉक्टरों ने तुरंत उन्हें भर्ती करने की सलाह दी। वह पिछले पांच दिनों से कुछ भी नहीं खा रही हैं और हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी जारी करने की मांग पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर थीं। 21 जून से अनशन पर बैठी आतिशी घट रहा वजन, चार दिन में 2.2 किलो कम हुआ है। बीते 21 जून से दिल्ली की जलमंत्री आतिशी 28 लाख दिल्लीवालों को हरियाणा से उनके हक का पानी दिलवाने के लिए अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं थीं। जलमंत्री आतिशी का वजन भी अप्रत्याशित रूप से कम हो रहा था। 21 जून को अनशन पर बैठने के पूर्व उनका वजन 65.8 किलो था जो अनशन के चौथे दिन घटकर 63.6 किलो पर पहुँच गया है। यानी मात्र 4 दिन में ही उनका वजन 2.2 किलो घट गया। जलमंत्री आतिशी का यूरिन कीटोन स्तर भी बढ़ता जा रहा है। उनके शरीर में कीटोन की मात्रा का इस प्रकार बढ़ना उनकी सेहत के लिए खतरनाक होगा। 28 लाख दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलवाने के लिए अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी जलमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा था कि, उनका स्वास्थ्य कितना भी बिगड़ जाए लेकिन वे दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलाकर रहेंगी, जबतक हरियाणा सरकार 28 लाख दिल्लीवालों का पानी नहीं देती तबतक अनशन जारी रहेगा। हालांकि अनशन अब खत्म कर दिया गया है।

मजबूत परीक्षा प्रणाली की सिफारिश करने वाली उच्च स्तरीय समिति की पहली बैठक

एक मजबूत परीक्षा प्रणाली विकसित करने पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

नीट यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं तथा अन्य परीक्षाओं को रद्द करने के विवाद के बीच, शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति की पहली बैठक एक मजबूत परीक्षा प्रणाली विकसित करने पर चर्चा के लिए हुई। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सिफारिशें करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञों की सात सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति, पूर्व इसरो अध्यक्ष के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित की गई। मंत्रालय द्वारा साझा किए गए एक वीडियो क्लिप में समिति के एक सदस्य ने कहा कि पैनल की पहली प्राथमिकता अभिभावकों और छात्रों से उनकी चिंताओं और सुझावों को जानना होगा।

पैनल दो महीने के भीतर शिक्षा मंत्रालय को अपनी सिफारिशें सौंपेगा। पिछले सप्ताह, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि सरकार एनटीए में सुधार के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करेगी और समिति से एनटीए, इसकी संरचना, कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रक्रिया, पारदर्शिता और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को और बेहतर बनाने के लिए सिफारिशें करने की उम्मीद की जाएगी ताकि शून्य त्रुटि परीक्षा आयोजित की जा सके। नीट यूजी पेपर लीक और कई केंद्रों में अनियमितताओं के आरोपों पर मचे बवाल के बाद इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। सीबीआई ने हाल ही में शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक की लिखित शिकायत के आधार पर आपराधिक मामला दर्ज किया है।

प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों में कहा गया है कि एनटीए द्वारा नीट यूजी 2024 परीक्षा 5 मई को 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें विदेश के 14 शहर भी शामिल थे, जिसमें 23 लाख से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे और परीक्षा के दौरान कुछ राज्यों में कुछ छिटपुट घटनाएं हुईं थीं। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, मामले की सर्वोच्च प्राथमिकता पर जांच करने के लिए जांच एजेंसी द्वारा विशेष टीमें गठित की गई हैं और टीमों को पटना और गोधरा भेजा जा रहा है, जहां स्थानीय पुलिस मामले दर्ज किए गए हैं। पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के सिलसिले में विभिन्न राज्यों से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विस चुनाव 2024 से पहले महिला वोटर्स को साधने में जुटी शिंदे सरकार

मुंबई, एजेंसी

आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री लड़की बहन योजना लागू करने की प्लानिंग कर रही है। जानकारी के मुताबिक एक टीम ने मध्य प्रदेश जाकर इसका निरीक्षण किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री लड़की बहन योजना को लागू करने पर जोर दे रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आगामी विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर महायुति गठबंधन सतर्कता बरत रहा है। ऐसे में महायुति ने हर हाल में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए मोर्चा बनाना शुरू कर दिया है। यह ही कारण है कि वे महिला वोट बैंक पर फोकस कर रहा है। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार ने मध्य प्रदेश की लाडली बहना की तर्ज पर गरीब महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री लड़की बहन योजना को लागू करने की मुहिम तेज कर दी है। सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार विधानमंडल के आगामी मानसून सत्र में इस योजना की घोषणा करने की तैयारी में है। यह ही कारण है कि विधानसभा चुनाव से पहले समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही सरकार गरीब महिलाओं को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना को लागू करने की कोशिश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक इस योजना के तहत गरीब, निराश्रित और विधवा महिलाओं को 1200 से 1500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

29 जून से शुरू होगा अमरनाथ यात्रा, आईजीपी कश्मीर ने परखी सुरक्षा-व्यवस्था

श्रीनगर, एजेंसी

इस बार 29 जून से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा 52 दिनों तक चलेगी। बता दें, तीर्थयात्रियों के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। तीर्थयात्री अनंतनाग में 48 किलोमीटर के नुनवान-पहलगाम मार्ग या गंदेरबल में 14 किलोमीटर के बालटाल मार्ग से एक खतरनाक यात्रा पर निकलेंगे, जिसका पहला जत्था 28 जून को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना होगा। सुरक्षा एजेंसियों की सर्वोच्च प्राथमिकता चुनौतीपूर्ण इलाके से गुजरने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सरकार के अनुसार, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है और बड़ी संख्या में पर्यटक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में आ रहे हैं। 2022 में 3.04 लाख तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन किए, जो 2023 में बढ़कर 4.5 लाख हो गए। इस साल तीर्थयात्रियों की संख्या 5 लाख को पार करने की उम्मीद है, जो इस क्षेत्र में पर्यटन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देने का संकेत है। इसी के मद्देनजर, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन वी.के. बिरदी ने सोमवार को व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैठक में डीआईजी सेंट्रल कश्मीर रेंज, डीआईजी नॉर्थ कश्मीर रेंज, डीआईजी साउथ कश्मीर रेंज, कश्मीर जोन के सभी जिला एसएसपी, एसएसपी ट्रैफिक सिटी, एसएसपी ट्रैफिक रूरल, एसएसपी सिक्योरिटी, एसएसपी एपीसीआर, एसपी टेलीकम्युनिकेशन शामिल हुए। शुरुआत में, भाग लेने वाले अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से आईजीपी

कश्मीर को सुरक्षा योजना की जानकारी दी, जिसमें उनके संबंधित जिलों की विशिष्ट आवश्यकताएं और अमरनाथ यात्रा-2024 के सुचारू संचालन के लिए किए गए सुरक्षा इंतजाम शामिल थे। अधिकारियों को निर्देश देते हुए वी.के. बिरदी ने सुरक्षा प्रयासों के समन्वय और परिचालन, प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं से उत्पन्न होने वाली आपात स्थितियों के प्रबंधन में एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए गए एसओपी की बारीकी से जांच की। तीर्थयात्रियों की सुरक्षित आवाजाही को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वी.के. बिरदी ने सड़क खोलने वाली पार्टियों की तैनाती और परिचालन तत्परता की समीक्षा की, राजमार्गों पर सतर्क गश्त और निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। वी.के. बिरदी ने अधिकारियों को रात के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मजबूत रात्रिकालीन वर्चस्व सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। आईजीपी कश्मीर ने वाहन से जाने वाली यात्रा के साथ-साथ पैदल यात्रा के लिए समय-सारिणी और कट-ऑफ समय की भी समीक्षा की, जो निर्दिष्ट मार्गों पर तीर्थयात्रियों के संरचित और सुरक्षित प्रवाह को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जमीनी स्तर पर उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने और सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एसओपी के आधार पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाए। इसके अलावा, डीआईजी एसकेआर और डीआईजी सीकेआर को व्यापक सुरक्षा कवरेज सुनिश्चित करने और संभावित खतरों की समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च घनत्व वाले काउंटर ऑपरेशन प्लान का आकलन करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी जुटाकर राष्ट्र विरोधी तत्वों (एएनई) और आतंकवादी सहयोगियों पर लगाम लगाने पर जोर दिया। आईजीपी कश्मीर ने सभी अधिकारियों से अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क और सक्रिय रहने का आग्रह किया, समन्वय के महत्व और किसी भी संभावित खतरे के लिए समय पर प्रतिक्रिया पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी रणनीतिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर सभी शिविर स्थलों पर मजबूत सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। आईजीपी ने अधिकारियों को प्रत्येक यात्रा शिविर में पर्याप्त जनशक्ति सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। बैठक का समापन आईजीपी द्वारा यात्रा के लिए सुरक्षित, सुचारू और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए पुलिस की क्षमताओं पर विश्वास व्यक्त करने के साथ हुआ, यह सुनिश्चित करते हुए कि तीर्थयात्री अपनी आध्यात्मिक यात्रा को बड़े उत्साह और मन की शांति के साथ कर सकें।

न्यूज फ्लैश

पुरानी पेंशन व्यवस्था को वापस लाने की चल रही तैयारी!

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय रेलवे कर्मचारी महासंघ (एआईआरएफ) ने भारत सरकार के कैबिनेट सचिव को पत्र लिखकर 2004 से पहले की पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने की मांग की है। यह पत्र केंद्र सरकार द्वारा जनवरी 2004 में पुरानी पेंशन योजना की जगह नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) लागू करने के बाद आया है। इस निर्णय के बाद से ही पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की लगातार मांग की जा रही है। महासंघ ने अपने पत्र में लिखा है कि 20 लाख से अधिक नागरिक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत शासित हैं। हर महीने उन्हें अपने मूल वेतन और डीए का 10 फीसदी एनपीएस में जमा करना होता है। इससे उनका टेक होम वेतन काफी कम हो जाता है। सरकार ने अब तक एनपीएस को खत्म करने और 1 जनवरी, 2004 को या उसके बाद भर्ती हुए केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 (अब 2021) के तहत पेंशन बहाल करने की हमारी मांग पर सहमति नहीं जताई है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एसोसिएशन द्वारा 1 जनवरी 2026 से 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की स्थापना जैसी अन्य मांगों के साथ यह मांग उठाई गई है। उल्लेखनीय है कि केंद्र में सरकार, आमतौर पर हर 10 साल के बाद, नए वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करती है। पिछला वेतन आयोग 2014 में स्थापित किया गया था और इसकी सिफारिशें जनवरी 2016 से लागू हुईं। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के तहत कर्मचारियों को एक निश्चित फॉर्मूले के आधार पर पेंशन मिलती है, जो उनके अंतिम वेतन के 50 फीसदी के बराबर होती है। कर्मचारियों को महंगाई राहत (डीआर) में द्विवार्षिक संशोधन का लाभ मिल सकता है। ओपीएस में सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) शामिल है, जिसमें कर्मचारी नौकरी के दौरान अपने वेतन से एक हिस्सा जमा करते हैं। रिटायरमेंट के बाद, उन्हें अपने रोजगार के दौरान जीपीएफ में जमा की गई कुल राशि प्राप्त होती है।

महंगी होंगी हीरो की मोटरसाइकिल और स्कूटी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की लीडिंग टू व्हील कंपनी हीरो मोटोकॉर्प 1 जुलाई, 2024 से अपनी मोटरसाइकिलों और स्कूटी की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। कीमतों में यह बढ़ोतरी 1,500 रुपये तक होगी, जो विशिष्ट मॉडल और बाजार के आधार पर अलग-अलग होगी। हीरो मोटोकॉर्प ने कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण इनपुट लागत में बढ़ोतरी को बताया है। कंपनी ने कहा है कि इन बढ़ी हुई लागतों की आंशिक भरपाई के लिए यह संशोधन आवश्यक है। यह मूल्य वृद्धि पहले लागू किए गए इसी तरह के संशोधनों के बाद की गई है। अक्टूबर 2023 में, हीरो मोटोकॉर्प ने महंगाई और बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता को संतुलित करने के लिए लगभग 1 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा की। जुलाई 2023 में, कंपनी ने कीमतों की स्थिति, इनपुट लागत और व्यावसायिक अनिवार्यताओं जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर मूल्य समीक्षा का हवाला देते हुए समान कारणों से कीमतों में लगभग 1.5 फीसदी की वृद्धि की। ऑटो उद्योग को कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है। जनवरी से चीन के प्रमुख कच्चे माल, स्टील एचआरसी की हाजिर कीमतों में 6 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर एल्युमीनियम, कॉपर, जिंक और टिन की हाजिर कीमतों में क्रमश- 9.7 फीसदी, 12 फीसदी, 7.2 फीसदी और 28 फीसदी की वृद्धि हुई है। इससे इस क्षेत्र के लिए इनपुट दरें बढ़ गई हैं, जिससे कीमतों में वृद्धि हुई है। 2024 के पहले पांच महीनों के लिए हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री के आंकड़ों ने अधिकांश महीनों के लिए मांग में वृद्धि दिखाई है। ऋअऊअ (फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अप्रैल तक सकारात्मक रुझान देखा गया, जिसमें जनवरी में 10।55 फीसदी, फरवरी में 5।74 फीसदी और अप्रैल में 24।42 फीसदी की वृद्धि हुई। हालांकि, मई 2023 की तुलना में मई में बिक्री के आंकड़ों में 16.04 प्रतिशत की गिरावट आई है।

कोपा अमेरिका : ब्राजील और कोस्टा रिका के बीच गोल रहित ड्रॉ

लॉस एंजिल्स, एजेंसी

सोफी स्टेडियम में मंगलवार को ब्राजीलियन फैंस काफी निराश हुए, जब नौ बार के कोपा अमेरिका चैंपियन ब्राजील को कोस्टा रिका के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलना पड़ा। कोपा अमेरिका में ब्राजील का निराशाजनक प्रदर्शन देखकर उनके फैंस काफी निराश हुए। एक रोमांचक मुकाबले में कोस्टा रिका ने ब्राजील को कड़ी टक्कर दी। दोनों टीमों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी लेकिन गोल करने में सफल नहीं रहे। कई बार मौका बनाने और गोल पर शॉट्स की बौछार करने के बावजूद ब्राजील के सभी प्रयास फेल हुए। विनिसियस जूनियर और रोड्रिगो के पास एक भी शॉट टारगेट पर नहीं था, लेकिन किसी और ने भी उनकी कमी को पूरा करने के लिए कुछ नहीं किया। कोस्टा रिका के गोलकीपर पैट्रिक सेक्वेरा अपनी टीम के हीरो रहे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम के लिए क्लीन शीट बनाए रखी। टूर्नामेंट में टीम की काफी आलोचना हुई और इस ड्रॉ ने ब्राजील के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। टीम अपने दबदबे को गोल में बदलने के लिए संघर्ष करती रही। रेफरी के फैसलों ने भी निराशा को और बढ़ा दिया। पूरे मैच में ब्राजील के खिलाफ कई संदिग्ध फैसले लिए गए। हालांकि, कोस्टा रिका को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। टूनामेंट में ज्यादा अनुभव नहीं रखने वाली इस टीम ने ब्राजील को कड़ी चुनौती दी। ब्राजील ग्रुप डी में पिछड़ता हुआ दिख रहा है। कोलंबिया वर्तमान में पैराग्वे पर 2-0 की जीत के बाद आगे है। कोच डोरिवल जूनियर के सामने कई चुनौतियां हैं। उनका लक्ष्य आगामी मैचों में अपनी टीम को पूरी ताकत से आगे बढ़ाना है। फिलहाल, ब्राजील के लिए दसवें कोपा अमेरिका खिताब की तलाश की शुरूआत मुश्किलों से भरी हुई लग रही है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को कोच करना बहुत आसान है : पॉल क्लेमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को हमेशा से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इस स्ट्राइकर के साथ काम करना आसान नहीं है। रियल मैड्रिड के पूर्व असिस्टेंट मैनेजर पॉल क्लेमेंट ने सभी अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो को कोच करना बहुत आसान है। पॉल क्लेमेंट ने एथलेटिक से कहा कि उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना सौभाग्य की बात थी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो को कोच करना बहुत आसान है। मुझे कोई भी ऐसा खिलाड़ी याद नहीं है जो उनसे बेहतर प्रोफेशनल रहा हो। क्लेमेंट रियल मैड्रिड में अपने समय के दौरान जोस मोरिन्हो के स्टाफ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे और उन्होंने बताया कि किसी भी टीम के लिए उनकी क्षमता वाला खिलाड़ी कितना महत्वपूर्ण है। क्लेमेंट ने कहा कि क्रिस्टियानो जैसा खिलाड़ी हमेशा अलग होता है, लेकिन जोस के साथ, टीम हमेशा सभी से ऊपर थी। ऐसे क्षण भी थे जब क्रिस्टियानो ने गोल किए, जैसा कि वह हमेशा करते थे, लेकिन ऐसे क्षण भी थे जब जोस और टीम को पता था कि उन्हें बचाव करने की आवश्यकता है। क्रिस्टियानो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने बचाव किया। आपको उन्हें यह दिखाना होगा कि उनके द्वारा बनाए गए सभी गोलों के अलावा, ऐसे अन्य क्षण भी होते हैं जब आपको कुछ अन्य चीजें करने की आवश्यकता होती है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2009 में लॉस गैलेक्टिकोस में शामिल हुए और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्लब में किसी भी खिलाड़ी द्वारा शायद सबसे बेहतरीन कार्यकाल दिया। उन्होंने क्लब के साथ 438 मैच खेले और 450 गोल और 131 असिस्ट किए, जबकि चार यूएफा चैंपियंस लीग ट्रॉफी और दो ला लीगा खिताब जीते।

बजट 2024 : नौकरी वालों को मिल सकता है तोहफा

स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने पूर्ण बजट की घोषणा के लिए तैयार है। अलग-अलग क्षेत्रों के लोग सरकार के राजकोषीय रोडमैप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस वर्ष का बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश महामारी के बाद आर्थिक सुधार से जूझ रहा है। महंगाई को स्थिर करके विकास को बनाए रखने का लक्ष्य रखता है, और समान विकास के लिए प्रयास करता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त मंत्रालय नई टैक्स व्यवस्था के तहत इनकम टैक्स पेयर के लिए मानक कटौती सीमा बढ़ाने की संभावना पर विचार कर रहा है।

स्टैंडर्ड डिडक्शन का मतलब आपकी टोटल इनकम के एक विशिष्ट हिस्से से है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। यह वेतनभोगी कर्मचारी द्वारा दावा की जा सकने वाली सभी टैक्स कटौतियों का एक व्यापक अनुमान है। सभी टैक्स योग्य सैलरी वाले लोग मानक कटौती के लिए पात्र हैं। इसका उद्देश्य नियोक्ताओं को टैक्स छूट का दावा करने के लिए कर्मचारियों के बिलों को इकट्ठा करने में शामिल प्रयासों से राहत देना है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार सरकार छूट-युक्त पुरानी व्यवस्था को बरकरार रख रही है। 2023 के बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई टैक्स व्यवस्था के तहत वेतनभोगी टैक्सपेयर और पेंशनभोगियों के लिए 50,000 रुपये की मानक कटौती की शुरुआत की, जो डिफॉल्ट विकल्प बन गया, जब तक कि आपने इसे छोड़ नहीं दिया। वर्तमान में, 3 लाख रुपये से ज्यादा की टैक्स योग्य आय वाले व्यक्तियों को 5 फीसदी आयकर देना पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च मानक कटौती से सभी सैलरी वाले टैक्सपेयर को लाभ होगा, जिसमें उच्च वर्ग के लोग भी शामिल हैं। हालांकि इससे सरकार को कुछ राजस्व हानि होगी।

एफएमसीजी क्षेत्र के 2024 में सात से नौ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद : रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी

उपभोग को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने वाली सरकारी पहल के दम पर 2024 में रोजमर्रा के उपभोग के सामान (एफएमसीजी) क्षेत्र की वृद्धि दर सात से नौ प्रतिशत रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। एफएमसीजी क्षेत्र की जुझारू क्षमता व अनुकूलनशीलता मजबूत सरकारी समर्थन तथा डिजिटल बदलाव पहल के साथ मिलकर इसे अनिश्चितताओं से पार पाने और अधिक मजबूत होकर उभरने की अनुकूल स्थिति प्रदान करती है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार, ह्यह्य भविष्य की ओर देखें तो भारत में एफएमसीजी क्षेत्र निरंतर वृद्धि के लिए तैयार है। पूर्वानुमानों के अनुसार, 2024 में इसमें सात से नौ प्रतिशत की वृद्धि होगी। हालांकि, इस क्षेत्र को मुद्रास्फीति के दबाव, उपभोक्ता भरोसे में कमी तथा मौजूदा बेरोजगारी दर जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि अब एफएफसीजी उद्योग का बढ़ता हुआ आर्थिक प्रभाव 9.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। भारत की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा, एफएफसीजी के लिए ऑनलाइन बिक्री माध्यम भी बढ़ रहे हैं डी2सी (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) जैसे खंड तेजी से हो रहे डिजिटल बदलाव और विकसित होते उपभोक्ता खरीद व्यवहार को दर्शाते हैं। कॉरपोरेट इंडिया रिस्क इंडेक्स 2023 रिपोर्ट में कहा गय कि इस तरह के डिजिटलीकरण के रुझान ने बाजार में आ रहे बदलाव के प्रति उद्योग की खुद को ढालने की क्षमता तथा डिजिटल रूप से जानकार उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के प्रति इसके सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। वैश्विक महामारी के बाद एफएमसीजी उद्योग संघर्ष कर रहा था और ग्रामीण क्षेत्र में कुछ तिमाहियों से लगातार गिरावट आ रही थी। हालांकि, उद्योग ने उभरते उपभोक्ता रुझानों के बीच जुझारू क्षमता दिखाई है और 2023 की दूसरी छमाही में मात्रा तथा मूल्य के हिसाब से उल्लेखनीय उछाल देखा गया है। इसमें कहा गया कि वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में देश भर में 8.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई, जिसमें ग्रामीण बाजारों ने 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह अनुकूल उपभोग परिदृश्य का संकेत है।

आज से शुरू हुई 96 हजार करोड़ की स्पेक्ट्रम नीलामी

नई दिल्ली, एजेंसी

टेलीकॉम डिपार्टमेंट (डीओटी) ने आज से 96,317.65 करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू कर दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आरक्षित मूल्य पर सभी बैंड में 10,523।15 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी को मंजूरी दे दी है। पिछली बिक्री से सभी अनबिके स्पेक्ट्रम फिर से बोली के लिए आएंगे। इसमें 800, 900, 1800, 2100, 2300, 2500, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज बैंड में एयरवेव्स शामिल हैं, जो बिक्री के लिए वॉयस और डेटा स्पेक्ट्रम का एक बड़ा हिस्सा कवर करते हैं। डीओटी ने घोषणा की है कि रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने सामूहिक रूप से बोली के लिए 4,350 करोड़ रुपये रखे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह 2022 में पिछली 5 जी स्पेक्ट्रम नीलामी से पांच गुना कम है।

कंपनियों को उनके द्वारा जमा की गई ईएमडी (बयाना राशि जमा) राशि के आधार पर अंक मिलते हैं, जो उन्हें सर्किलों की संख्या और स्पेक्ट्रम की मात्रा के लिए बोली लगाने में सक्षम बनाता है। अधिक अंक का मतलब है बोली लगाने की अधिक क्षमता। दूरसंचार कंपनियां अपने एटऊसे 12 गुना तक के स्पेक्ट्रम के लिए बोली लगा सकती हैं।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के एक हालिया नोट में कहा गया है कि स्पेक्ट्रम की बहुत कम मांग है। पिछली बिक्री से सभी बिना बिके स्पेक्ट्रम फिर से बोली के लिए हैं। लेकिन 2022 के बाद से प्रस्तावित स्पेक्ट्रम की मात्रा सात गुना से अधिक कम हो गई है। रिपोर्ट के मुकाबिक जियो (108 मिलियन) और एयरटेल (72 मिलियन) ने अपने ग्राहक आधार के लगभग 20 से 22 फीसदी तक 5 जी पैठ देखी है। एयरटेल ग्रामीण कवरेज को बेहतर बनाने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, केरल और पश्चिम बंगाल के सर्किलों में कम से कम 25,000 5 जी साइट्स जोड़ेगी, जिसके लिए उसके पास पर्याप्त स्पेक्ट्रम है। वोडाफोन आइडिया ने पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश पश्चिम के सर्किलों में अपने कुछ स्पेक्ट्रम का नवीनीकरण न करने का फैसला किया है, जहां 1800 मेगाहट्र्ज और 900 मेगाहट्र्ज बैंड में 12 मेगाहट्र्ज के लिए नवीनीकरण होना था।

सेंसेक्स पहली बार 78,000 अंक के स्तर के पार, निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड

मुंबई, एजेंसी

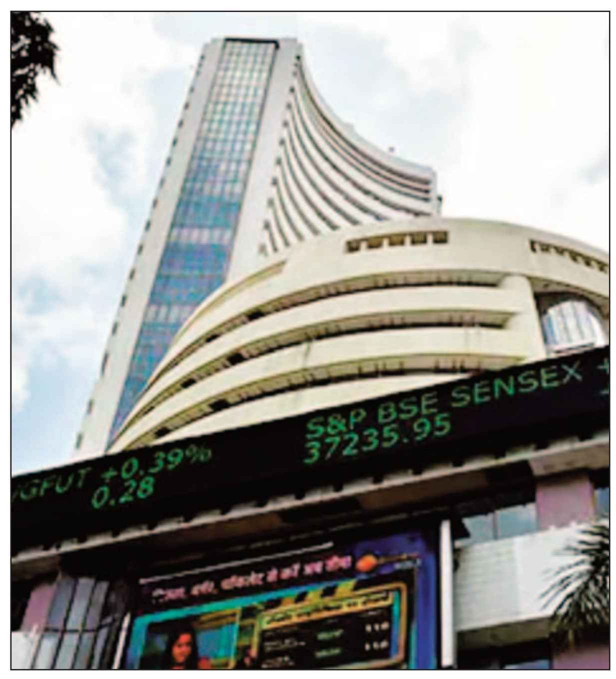

एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से मंगलवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स ने पहली बार ऐतिहासिक 78,000 अंक के स्तर को पार किया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 712.44 अंक या 0.92 प्रतिशत उछलकर 78,053.52 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 823.63 अंक या एक प्रतिशत बढ़कर 78,164.71 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। निफ्टी 183.45 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 23,721.30 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 216.3 अंक या 0.91 प्रतिशत चढ़कर 23,754.15 अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस में उल्लेखनीय बढ़त हुई।

दूसरी ओर पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, नेस्ले, मारुति और जेएसडब्ल्यू स्टील में गिरावट आई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसानमें रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में कमजोरी रही। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि भारत ने मार्च तिमाही में 5.7 अरब डॉलर या जीडीपी के 0.6 प्रतिशत का चालू खाता अधिशेष दर्ज किया है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि बाजार के नजरिये से सकारात्मक खबर यह है कि चालू खाते का घाटा वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में अधिशेष में बदल गया है। इससे रुपये पर दबाव कम होगा और फेडरल रिजर्व की दरों में कटौती पर स्पष्टता आने के बाद एफआईआई के आने का रास्ता साफ होगा।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.44 प्रतिशत गिरकर 85.63 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 653.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

बांग्लादेश को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के आखिरी सुपर-8 मैच में अफगानिस्तान ने रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को 8 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का सफर यहीं खत्म हो गया है और वह टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। नवीन उल हक को शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 115 रन बनाए। हालांकि, यह काफी कम स्कोर था, जिसके जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 18 ओवर में 105 रन पर ऑल आउट कर दिया।

दोनों टीमों के बीच काफी रोमांचक मुकाबला हुआ और अंत तक हर एक गेंद पर रोमांच बना हुआ था। अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए काफी धीमी बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने काफी धीमी पारी खेली और 55 गेंदों में 43 रन बनाए, इब्राहिम जादरान भी 29 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों के आउट होने के बाद मोहम्मद नबी 1, गुलबदीन नाइब 4 और करीम जन्नत 7 रन बनाकर आउट हुए। अंत में राशिद खान ने 3 छक्के मारकर टीम के स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया, अंतिम ओवर में राशिद खान ने मुस्तफिजुर रहमान पर 2 छक्के लगाए। 116 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के दिमाग में सेमीफाइनल में पहुंचने की मंशा थी। बांग्लादेश की टीम जब बल्लेबाजी करने उतरी तो उसने तेज खेलना शुरू किया क्योंकि उसको सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 12.1 ओवर में इस लक्ष्य को हासिल करना था। बांग्लादेश ने तेज खेलते हुए 3 ओवर में 31 रन बना लिए थे। हालांकि, इस बीच नवीन उल हक के बैक टू बैक 2 विकेट ने अफगानिस्तान के खेमे में जान डाल दी थी। अफगानी गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश के 10 में से 4 गेंदबाज बिना खाता खोले 0 पर आउट हुए। लिटन दास जरूर अर्धशतक बनाकर नाबाद रहे। उनके क्रीज पर रहने से अफगानिस्तानी खेमा अंत तक काफी परेशान रहा हालांकि, दूसरे छोर से लगातार गिरते विकेट ने बांग्लादेश को ऑल आउट करा दिया। बांग्लादेश 12.1 ओवर के बाद अगर यह मुकाबला जीत भी जाता तो सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाता ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचता। अफगानिस्तान के सामने एक ही स्थिति थी कि वह हर हाल में मैच जीते और जो उन्होंने कर दिखाया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है और अफगानिस्तान ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अफगानिस्तान अपना सेमीफाइनल मुकाबला साउथ अफ्रीका के साथ खेलेगा।

यूरो 2024 : अंतिम 16 में इटली स्पेन और क्रोएशिया बाहर

बर्लिन, एजेंसी

क्रोएशिया के खिलाफ मटिया जाकाग्नि के अंतिम क्षणों के गोल ने 1-1 की बराबरी से मौजूदा चैंपियन इटली को यूरो 2024 के ग्रुप चरण में पहुंचा दिया, जबकि स्पेन ने अंतिम दौर में अल्बानिया पर 1-0 की जीत के साथ ग्रुप बी में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। क्रोएशिया ने आक्रामक शुरुआत की। उसे पता था कि यहां से केवल जीत ही टीम को अंतिम 16 के दौर में पहुंचा सकती है। जानकारी के अनुसार, लुका सुसिक ने 20 मीटर से एक जोरदार शॉट लगाकर पांच मिनट पहले क्लियर कट मौका बनाया, जिससे इटली के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को इसे रोकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, इटली को मैच में पैर जमाने के लिए थोड़ा समय लगा। लेकिन 20वें मिनट में उसने भी मौका बनाया जब मैटिओ रेटेगुई ने रिकार्डो कैलाफियोरी के क्रॉस को गोल की ओर हेड किया। लुसियानो स्पैलेटी की टीम को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त बना लेनी चाहिए थी, लेकिन न तो एलेसेंड्रो बस्टोनी और न ही लोरेंजो पेलेग्रिनी क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविक को मात दे पाए। ब्रेक के बाद क्रोएशिया ने बढ़त हासिल की और लुका मोड्रिक ने 55वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद इटली ने क्रोएशिया के गोल क्षेत्र पर हमला तेज कर दिया। एक समय आया जब बस्तोनी हेडर से गोल करने के करीब पहुंच गए, लेकिन क्रोएशिया की अच्छी तरह से तैनात डिफेंस ने इटली को स्कोर शीट से दूर रखा। ऐसा लग रहा था कि क्रोएशिया मामूली जीत के साथ आगे बढ़ जाएगा, लेकिन अंतिम क्षणों में इटली ने क्रोएशिया को चौंका दिया। मैटिया ने (90+8') इटली के लिए गोल दागा और मैच का नतीजा 1-1 से बराबरी पर खत्म किया। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में, अग्रणी स्पेन ने फेरान टोरेस के एकमात्र गोल से अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला तीन मैच तक बढ़ाया। इन परिणामों के साथ, स्पेन ने 9 अंकों के साथ एक बेहतरीन ग्रुप चरण पूरा किया। उसके बाद ग्रुप-बी में इटली (4 अंक), क्रोएशिया (2 अंक) और अल्बानिया (1 अंक) का स्थान रहा।

अर्शदीप सिंह ने जसप्रीत बुमराह को दिया अपनी सफलता का श्रेय

ग्रोस आइलेट, एजेंसी

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया है। जिसके बाद तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी शानदार गेंदबाजी का श्रेय जसप्रीत बुमराह को दिया है। अर्शदीप ने पहले ओवर में खतरनाक डेविड वार्नर को आउट कर भारत के गेंदबाजी आक्रमण की दिशा तय की थी। डेथ ओवरों में उनके द्वारा लिए गए टिम डेविड और मैथ्यू वेड के महत्वपूर्ण विकेट्स ने ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। अर्शदीप ने 37 रन देकर 3 विकेट लेने वाले अर्शदीप ने बेहतरीन गेंदबाजी की थी। अर्शदीप सिंह ने 6 मैचों में 15 विकेट लेकर टूर्नामेंट के विकेट लेने वालों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी 6 मैचों में 16 विकेट लेकर शीर्ष पर रहे। 25 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय तेज गेंदबाज बुमराह को दिया। अर्शदीप ने कहा कि मुझे लगता है कि इसका बहुत सारा श्रेय

जस्सी भाई (जसप्रीत बुमराह) को जाता है, क्योंकि वे बल्लेबाजों पर बहुत दबाव डालते हैं। वे एक ओवर में तीन या चार रन देते हैं, इसलिए बल्लेबाज मेरे खिलाफ कड़ी मेहनत करते हैं और मुझे बस अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंद फेंकने की कोशिश करनी होती है और वहां विकेट मिलने के बहुत सारे मौके होते हैं। दूसरी तरफ वे देखते हैं कि रन नहीं बन रहे हैं और रिक्वायर्ड रेट बहुत ज्यादा है, इसलिए वे मेरे खिलाफ ज्यादा जोखिम लेते हैं। वहां हमेशा विकेट मिलने का मौका रहता है। इसलिए मेरे विकेटों का बहुत सारा श्रेय जस्सी भाई को जाता है। अर्शदीप सिंह ने आगे कहा, 'पवेलियन के विपरीत छोर से हमें बहुत स्विंग मिली। दूसरी तरफ से हवा के विपरीत गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाज हवा का उपयोग करने वाले थे क्योंकि गेंद हवा के अनुसार चल रही थी। इसलिए हमें वहां रक्षात्मक विकल्पों की तलाश करनी थी और हवा को खेल में आने नहीं देना था'। हमारे बल्लेबाजों ने भी उसी विकेट पर बल्लेबाजी की, और शुरुआत में रन बनाना आसान था, गेंद अच्छी तरह से आ रही थी। लेकिन बाद में, बाउंड्री लगाना मुश्किल हो गया। हमें पता था कि अगर हमने कुछ विकेट ले लिए, तो नए बल्लेबाजों के लिए अपनी इच्छानुसार बाउंड्री लगाना मुश्किल हो जाएगा।

वर्ष -60, रजिस्ट्रेशन संख्या : WB HIN/ 00780 **अखबार के स्वामी :** के के एम पब्लिशर के लिए **मुद्रक एवं प्रकाशक** राजीव नयनम द्वारा प्रकाशित तथा एल.एस. पब्लिकेशन प्रा. लि. 4 केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित और के के एम पब्लिशर, 7 मैंगोलेन (प्रथम तल), कोलकाता-700001 से प्रकाशित.
संपादक - अशोक पांडेय*, फोन - 033-48032897, मेल - sutrakaar.news @gmail.com